लखनऊ

शुक्रवार 6 जून 2025
वर्ष : 10 । अंक: 321
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

हम जानते हैं कि हम क्या हैं, पर ये नहीं जानते कि हम क्या बन सकते हैं। - विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

गंगा दशहरा पर काशी, प्रयागराज में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालु

वाराणसी/ प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के काशी और प्रयागराज में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गुरुवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यह उत्सव ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां गंगा का अवतरण स्वर्ग लोक से धरती पर हुआ था। गुरुवार की सुबह तड़के से ही दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना और पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गंगा स्नान के साथ ही श्रद्धालुओं ने दीपदान, गंगा आरती और मंत्रोच्चार के माध्यम से गंगा मैया से सुख-शांति और मोक्ष की कामना की। घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैद रहा। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें भी घाटों पर तैनात की गईं। काशी की गलियों से लेकर घाटों तक आज का दिन भक्ति भाव और गंगा मैया की जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि गंगा दशहरा पर काशी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है, जिससे सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा वह दिन है जब गंगा नदी का धरती पर अवतरण हुआ था, और इसी दिन को मां गंगा के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। दशाश्वमेध घाट के तीर्थपुरोहित विवेकानंद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि ज्येष्ठ माह का शुक्ल पक्ष है। इस दिन को गंगा दशहरा के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भागीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए मां गंगा की आराधना कर उनको प्रसन्न किया और मां गंगा को धरती पर लेकर आए। श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं और मोक्ष पाने के लिए गंगा जी में डुबकी लगाते हैं। गुजरात के राजकोट से आए महंत विजय महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में गंगा दशहरा का बहुत महत्व है। आज ही के दिन गंगा जी धरती पर अवतरित हुईं थीं।

चार देशों की यात्रा के बाद भारत लौटा एक और प्रतिनिधिमंडल, मनीष तिवारी बोले- हम अपनी बात रखने में सफल रहे

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता के तहत विदेश दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल अब स्वदेश लौटने लगे हैं। चार देशों की यात्रा पूरी करने के बाद कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है।कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सभी प्रतिनिधिमंडल जो विदेश दौरे पर गए और वहां उन्होंने अपने समकक्षों से बात की। उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, जो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान न केवल दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अशांति का एक प्रमुख स्रोत भी है। हम जितने भी देशों में गए हैं, वहां इस बात को रखने में सफल रहे हैं। मनीष तिवारी ने चार देशों की यात्रा को सफल बताया। उन्होंने कहा, हमारे प्रतिनिधिमंडल ने कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र की यात्रा की। हमने भारत का नजरिया प्रस्तुत किया कि पाकिस्तान न केवल दक्षिण एशिया में, बल्कि पूरी दुनिया में अस्थिरता और आतंक का केंद्र है।

प्रधानमंत्री ने लॉन्च की 'अरावली ग्रीन वॉल परियोजना', 'एक पेड़ मां के नाम' योजना का विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गुरुवार को भगवान महावीर वनस्थली पार्क में पेड़ लगाकर अरावली ग्रीन वॉल परियोजना की शुरुआत की। इसे एक पेड़ मां के नाम अभियान का विस्तार बताया जा रहा है। अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत दिल्ली से लेकर गुजरात तक फैली अरावली पर्वत श्रंख्ला में पेड़ लगाए जाएंगे। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'अरावली पर्वत श्रंख्ला इस धरती पर सबसे पुरानी पर्वत श्रंख्लाओं में से एक है। यह गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली को कवर करती है। इस पर्वत श्रंख्ला को बीते कई वर्षों से पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। अब उनकी सरकार इन चुनौतियों को कम करने के लिए समर्पित है।'

योजना की शुरुआत पर क्या बोले पीएम मोदी

उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान इस पर्वतमाला से जुड़े क्षेत्रों का कायाकल्प करने पर है। हम संबंधित स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और जल प्रणालियों में सुधार, धूल भरी आंधी पर अंकुश लगाने, थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को रोकने जैसी चीजों पर जोर देंगे।' उन्होंने कहा, 'अरावली पर्वतमाला और उसके आगे, पारंपरिक रोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, खासकर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जहां जगह की कमी है। वृक्षारोपण गतिविधियों को जियो-टैग किया जाएगा और मेरी लाइफ पोर्टल पर उनकी निगरानी की जाएगी।' प्रधानमंत्री ने युवाओं से इस आंदोलन में भाग लेने और धरती के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आह्वान किया। अरावली ग्रीन वॉल परियोजना तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 29 जिलों में अरावली के आसपास के पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करने पर फोकस है। इसके तहत 29 जिलों में करीब एक हजार नर्सरी विकसित की जाएंगी। इस मौके पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्यों से इस अभियान में शामिल हुए। सरकार ने मार्च 2023 में अरावली ग्रीन वॉल अभियान का एलान किया था। इसका लक्ष्य गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में लगभग 64 लाख हेक्टेयर भूमि को शामिल करते हुए पांच किमी चौड़ी हरित पट्टी बफर जोन स्थापित करना है। इसके भीतर, लगभग 42% भूमि बंजर है। इस पहल को इसलिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि वनों की कटाई, खनन, पशुओं के चरने और मानव अतिक्रमण से मरुस्थलीकरण की स्थिति और खराब हो रही है।

चार राज्यों से लगती है अरावली की 700 किलोमीटर की सीमा

गौरतलब है कि अरावली की 700 किलोमीटर की सीमा चार राज्यों से लगती है, जिसमें दिल्ली, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा की सीमाएं शामिल हैं। इसमें 29 जिले, चार बाघ अभयारण्य और 22 वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।

एक पेड़ मां के नाम का दूसरा चरण होगा शुरू

पीएम मोदी अरावली पर्वत शृंखला को हराभरा करने की पहल की शुरुआत के साथ एक पेड़ मां के नाम का दूसरा चरण का भी आगाज करेंगे। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान एक व्यापक जन अभियान बन गया है, जिसे पीएम मोदी ने पहली बार 5 जून 2024 को शुरू किया था। अब इस अभियान को 2025 में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक 109 करोड़ पेड़ लगाए जा चुके हैं।

85% आरक्षण की जिद पर अड़े तेजस्वी यादव, सीएम नीतीश को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए कोटा बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून लाए जा सकें। विपक्ष के नेता यादव ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65% आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है।

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाक़ी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर RSS-BJP की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, जिसने यह विचार व्यक्त किया था कि कोटा में वृद्धि किसी ₹वैज्ञानिक अध्ययन₹ का पालन नहीं करती है जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर कर सके।

अयोध्या में हुई राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दर्शन-पूजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अध्यक्षता की। अनुष्ठान सुबह 11 बजे शुरू हुआ और लगभग 45 से 50 मिनट तक चला, जिसमें पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठान शामिल थे। यह कार्यक्रम 3 जून से शुरू हुए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अंतिम दिन था। आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के भूतल पर रामलला की आरती की। मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर के प्रथम तल पर पहुंचे और वहां अनुष्ठान शुरू किया।

मुख्यमंत्री ने किया दर्शन-पूजन

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन–पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन–पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

गंगा दशहरा का दिन है बेहद खास

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा वह दिन है जब राजा भगीरथ की तपस्या से प्रेरित होकर पवित्र नदी गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर उतरी थीं। इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी अनिल मिश्रा ने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्वाहन 11 बजकर 25 मिनट से 11 बजकर 40 मिनट के बीच आयोजित किया गया। मुख्य राम दरबार के अलावा, राम मंदिर परिसर के भीतर आठ अन्य मंदिरों का अभिषेक भी किया गया। ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने कहा कि समारोह पूरे धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रों के साथ आयोजित किये गये। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की घोषणा की। उन्होंने अपने संदेश में कहा, प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या धाम में आज श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर श्री राम दरबार सहित अष्ट देवालयों में पवित्र देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा हेतु आयोजित कार्यक्रम का साक्षी बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। यह पावन अवसर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की नूतन अभिव्यक्ति है। सियावर श्री रामचन्द्र की जय! अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर परिसर में रामलला की मूर्ति का पहला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी के सामने . . .ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन में शामिल सलमान खुर्शीद ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। राजनयिक संपर्क यात्रा पर आए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। खुर्शीद ने कहा कि विदेश में भारतीय राजदूतों ने प्रतिनिधिमंडल की बैठकों के बारे में जयशंकर को पहले ही जानकारी दे दी है, जिसमें उनसे मिलने वाले लोगों, चर्चा के स्तर और उठाए गए प्रमुख मुद्दों जैसे विवरण शामिल हैं। खुर्शीद ने कहा कि मंत्री को कुछ सामान्य चिंताएं भी बताई गईं, जिनमें कई देशों में पारस्परिक संसदीय मैत्री संघों की कमी शामिल है। विदेश मंत्री ने चिंता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि मामले का अध्ययन किया जाएगा।

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले पर बोलते हुए खुर्शीद ने कहा कि विदेशी सरकारों की ओर से संवेदना और एकजुटता के संदेश प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय तक पहले ही पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और उसने विदेश में भारत की स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। खुर्शीद ने कहा कि कोई भी सवाल अनुत्तरित नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की प्रतिक्रिया की एक व्यापक समीक्षा तैयार की जाएगी और उसे प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे बैठक हो या न हो, मुझे लगता है कि होगी। हमने जो भी चर्चा की है, उसे प्रस्तुत किया जाएगा।

राजनयिक मिशन की द्विदलीय प्रकृति पर जोर देते हुए खुर्शीद ने कहा कि इसका उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में बोलना था। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्य विदेश में भारत का पक्ष प्रस्तुत करना था। दूसरा कार्य राजनीतिक था - आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में बोलना।' उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने व्यक्तिगत पहल पर नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधिमंडल में भाग लिया, जिसने संयुक्त दृष्टिकोण का समर्थन किया। 'भारतीय जनता पार्टी और अन्य दलों के लोग थे। साथ मिलकर हमने एक ही संदेश दिया।

मायावती का आरोप, बसपा को कमजोर करने के लिए हर हथकंडा अपना रही हैं जातिवादी पार्टियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दलित राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। मायावती ने कहा कि जातिवादी दलों के हाथों में संचालित ये अवसरवादी और स्वार्थी संगठन एक सोची-समझी साजिश के तहत निर्दोष बीएसपी सदस्यों को गुमराह कर रहे हैं। वे अपनी बैठकों और कार्यक्रमों में बीएसपी सदस्यों को बुलाते हैं और कांशीराम और यहां तक कि मेरा नाम लेकर कहते हैं कि वे हमारे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

मायावती ने कहा कि अगर उनकी बातों में थोड़ी भी सच्चाई होती तो वे विपक्षी दलों के साथ नहीं जुड़ते। इसके बजाय, वे बीएसपी को मजबूत करने के लिए खुद को बीएसपी से जोड़ते और उसका समर्थन करते... दलितों और उपेक्षित वर्गों को इन जातिवादी दलों से सावधान रहना होगा ताकि वे देश से बीएसपी को कमजोर करने या खत्म करने में सफल न हों। उन्होंने कहा कि ये जातिवादी दल बीएसपी उम्मीदवारों को चुनाव जीतने से रोकने के लिए ईवीएम में भी हेराफेरी कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि कई अन्य विपक्षी दलों के साथ-साथ हमारी पार्टी भी चाहती है कि देश में सभी चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं। हालांकि मौजूदा सरकार के रहते ऐसा संभव नहीं लगता, लेकिन उम्मीद है कि सत्ता परिवर्तन के साथ ही यह बदलाव शुरू हो जाएगा। हमारी पार्टी के सदस्यों को इस संभावना पर विचार करके निराश नहीं होना चाहिए। देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए ईवीएम प्रणाली कभी भी बदल सकती है... अगर बैलेट पेपर का फिर से इस्तेमाल किया गया तो बीएसपी के अच्छे दिन भी लौट आएंगे।

'देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं', कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर भड़के थरूर

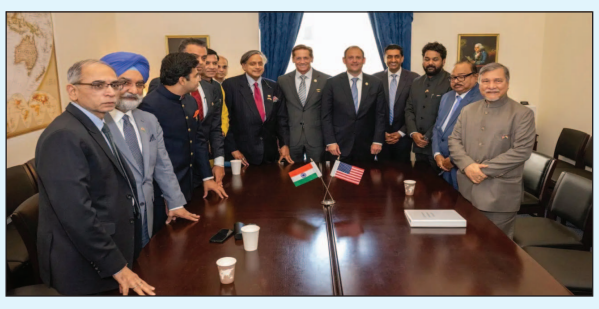

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे शशि थरूर ने कहा कि जो लोग ऐसा सोचते हैं कि देशहित में काम करना पार्टी विरोधी है तो उन्हें खुद से सवाल करने की जरूरत है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ थरूर फिलहाल अमेरिका दौरे पर हैं। वहां एक इंटरव्यू में थरूर ने ये बात कही। दरअसल कई कांग्रेस नेताओं ने थरूर पर निशाना साधा है और उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया है। थरूर ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज कर दिया।

कांग्रेस छोड़ने की अटकलों पर दिया ये जवाब

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में शशि थरूर ने कहा कि जब कोई देश की सेवा कर रहा हो तो मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य चीजों के बारे में बहुत चिंता करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि जिसे लगता है कि देशहित में काम करना पार्टी विरोधी है तो उन्हें हमसे सवाल करने के बजाय खुद से सवाल करने की जरूरत है। कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए थरूर ने कहा कि 'मैं संसद का चुना हुआ प्रतिनिधि हूं और मेरे कार्यकाल में अभी चार साल का वक्त बाकी है। मुझे नहीं पता कि ऐसा सवाल पूछा ही क्यों जा रहा है।'

राहुल गांधी के आरोपों पर क्या बोले थरूर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में अपने एक बयान में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आते ही आत्मसमर्पण कर दिया। इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि 'लोकतंत्र में ये सामान्य प्रक्रिया है, जहां पार्टियां एक दूसरे का विरोध करती हैं, आलोचना करती हैं और मांग करती हैं, लेकिन हम यहां किसी पार्टी के लिए नहीं हैं बल्कि हम यहां भारत के प्रतिनिधि बनकर आए हैं।' थरूर ने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल में पांच राजनीतिक पार्टियों के, तीन धर्मों को मानने वाले और सात राज्यों से आने वाले सांसद शामिल हैं। थरूर के अलावा भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अन्य सांसद सरफराज अहमद, गंति हरीश मधुर बालयोगी, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कालिता, मिलिंद देवड़ा, तेजस्वी सूर्या और अमेरिका में भारत के राजदूत रहे तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

'विदेश में राजनीतिक पार्टी के नहीं भारत के प्रतिनिधि'

थरूर ने कहा कि 'भारत में अनेकता में एकता है और अलग-अलग पार्टियों और क्षेत्रों से आने के बावजूद हम एकजुट भारत के संदेश के साथ आए हैं। जब राष्ट्रीय हितों की बात आती है तो मुझे लगता है कि देश एकजुट है।' थरूर ने ये भी कहा कि 'वे किसी राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि बनकर नहीं बल्कि भारत के प्रतिनिधि बनकर आए हैं।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि 'देश की सीमाओं पर हमारे राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते हैं। जैसे ही सीमा पार की हम भारतीय हैं और बाकी चीजें बाद में आती हैं।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए मध्यस्थता कराने के दावे पर थरूर ने कहा कि 'अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रति हमारे मन में बहुत सम्मान है। हम अपने लिए बस इतना ही कह सकते हैं कि हमने कभी किसी से मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहा।'

चार देशों की यात्रा के बाद भारत लौटा एक और प्रतिनिधिमंडल, मनीष तिवारी बोले- हम अपनी बात रखने में सफल रहे

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता के तहत विदेश दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल अब स्वदेश लौटने लगे हैं। चार देशों की यात्रा पूरी करने के बाद कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है।कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सभी प्रतिनिधिमंडल जो विदेश दौरे पर गए और वहां उन्होंने अपने समकक्षों से बात की। उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, जो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान न केवल दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ावा देता है।

जान बख्शने के लिए खूब गिड़गिड़ाई... पति ने गला काटकर मार डाला, कातिल ने सुनाई कत्ल की फुल स्टोरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर के सहजनवा इलाके में महिला की हत्या से सनसनी फैल गई है। पता चला है कि पति अंगद शर्मा का पत्नी से उसकी नौकरी करने को लेकर विवाद हुआ। अचानक पर ऐसा पागलपन सवार हुआ कि उसने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। पत्नी जान बख्शने के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन उसने बेरहमी से गला रेतकर उसे मार डाला। शोर सुनकर जबतक पड़ोसी वहां पहुंचे, महिला कमरे के फर्श पर मरी पड़ी थी। ये बातें पड़ोसियों ने बताईं, उन्हें समय पर नहीं पहुंच पाने का मलाल था।

पुलिस के मुताबिक, दंपती के कमरे के बगल में रहने वाले युवक ने बताया कि उसकी रात की डयूटी थी, वरना वह विवाद छुड़ाकर महिला की जान बचा लेता। उसने बताया कि आए दिन झगड़ा होता था तो शांत करवाता था। इसी तरह महिला की चीख सुनने वाले लोगों ने भी घटनाक्रम बताया।

पति-पत्नी के रिश्तों में हिंसा और हत्या की घटनाएं केवल व्यक्तिगत नहीं हैं। इनकी जड़ें सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों में निहित हैं। बढ़ती व्यक्तिवादिता और समाजीकरण की कमी के कारण सहनशीलता और सामाजिक दबाव कमजोर हुए हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया, विशेषकर मोबाइल फोन लोगों को ऐसी आभासी दुनिया की ओर ले जा रहे हैं। इसकी परिणति हिंसा और हत्या के रूप में सामने आ रही है।

- डॉ. मनीष पांडेय, समाजशास्त्री, डीडीयू

लव मैरिज के लिए अड़ गई थी युवती

महिला की मां ने केस दर्ज कराते हुए बताया कि कक्षा आठ में पढ़ने के दौरान ही आरोपी बेटी के आगे-पीछे घूमता था। बहला फुसलाकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। जबकि बेटी से कहा कि युवक की हरकत ठीक नहीं है, आगे चलकर परेशानी झेलनी पड़ेगी। लेकिन वह शादी करने के लिए अड़ गई थी।

तमिलनाडु से फोन कर करता था परेशान

वर्ष 2023 के अगस्त माह में इसको लेकर पंचायत हुई थी। इसके बाद मंदिर में दोनों की शादी करानी पड़ी। पति उसे तमिलनाडु लेकर गया, कुछ दिन बाद वहां झगड़ा-लड़ाई करने लगा। आठ माह पहले बेटी सहजनवां आकर अपनी बहन के पास रहने लगी। इसके बाद तमिलनाडु से फोन कर वह परेशान करता था।

दो माह पहले वह सहजनवां में आकर कमरा लिया, जहां पर बेटी के साथ रहने लगा। बेटी दो माह की गर्भवती थी, सोचा पति सेवा करेगा। लेकिन यहां आकर वह नौकरी छुड़वाना चाहता था। इसको लेकर लड़ाई-झगड़ा करने लगा। बेटी बार-बार शिकायत करती थी। महिला की मां ने बताया कि हत्यारोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पिछले वर्ष उसने थाने में शिकायत की थी। फिर पुलिस ने समझा बुझाकर मामला खत्म करवाया था। इधर, पोस्टमार्टम के बाद महिला के शव का सहजनवां के कालेसर स्थित मुक्तिधाम पर देर शाम अंतिम संस्कार किया गया।

आरोपी पति बोला क्रोध पर नियंत्रण नहीं कर पाया

सहजनवां थाने में पुलिस हिरासत में पति ने बताया कि वह क्रोध पर नियंत्रण नहीं कर पाया। सुबह छह बजे काम पर जाने के लिए वह चार बजे उठ जाती थी। जब वह उठी तो उससे बहस होने पर तेज-तेज बोलने लगी। मोबाइल देखने के लिए मांगा तो उसने इन्कार कर दिया। इसके बाद चाकू से हमला किया तो वह संघर्ष करने लगी। तब पागलपन सवार हो गया। इसके बाद ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी गर्दन पीछे से रेत दी। अगर कोई बीच बचाव में आया होता तो पत्नी की जान बच जाती। मैं उससे बहुत प्रेम करता था। उसे खोना नहीं चाहता था, इसलिए तमिलनाडु से काम छोड़कर लौट आया था।

कर्नाटक रहते हैं आरोपी के पिता

सहजनवां इलाके के एक गांव में रहने वाले आरोपी के पिता कर्नाटक में पेंट पालिश का काम करते हैं। गांव पर उसकी बहन और मां रहती हैं। हत्या की सूचना पर आरोपी की मां और बहन भी रोने लगीं। बेटे की करतूत से वे भी शर्मिंदा थीं। आरोपी की मां ने कहा कि हमलोग गांव में रहते हैं। सहजनवां स्थित किराए के घर में क्या हुआ, इसकी जानकारी नहीं है।

प्लास्टिक, कचरा मुक्त सुलतानपुर बनाने का लिया संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के अवसर पर पं0 राम नरेश त्रिपाठी सभागार परिसर में पालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में शहर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों के प्रमुखों की उपस्थिति में समारोहपूर्वक आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी उपस्थित रहे तथा संयुक्त समाज समिति के अध्यक्ष डा0 सुधाकर सिंह, संयोजिका श्रीमती पल्लवी वर्मा, सम्मानित संगठनों से जुड़े हुए डा0 आर0ए0वर्मा, डा0 राजीव श्रीवास्तव, सरदार बलदेव सिंह, अमर बहादुर सिंह, डा0 सीतासरण त्रिपाठी, डा0 डी0एस0मिश्र, मदन सिंह, सरदार महेन्द्रपाल सिंह, डा0 आशुतोष श्रीवास्तव, सुदीप पाल सिंह, अरूण श्रीवास्तव, संतोष सिंह सी0ए0, एडवोकेट आशीष अग्रवाल आदि सामाजिक कार्यकर्ता व वनविभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। पालिकाध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि गत वर्ष हमने लगभग 28 सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से ''स्वच्छ सुन्दर हरित सुल्तानपुर'' के संकल्प को दोहराते हुए ''एक पेड़ माँ के नाम'' वृहद् वृक्षारोपण महाअभियान-2024 के अन्तर्गत ''पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ'' एवं ''पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ'' के नारे के साथ आक्सीजन बैंक के रूप में गोमती नदी के तट पर पर्यावरण पार्क के उत्तरपूर्वी किनारे पर 817 पेड़ लगाकर वाल्मीकि उपवन का निर्माण किया, नगर के प्रमुख मार्गों के डिवाइडरों व दोनों पटरियों पर हजारों की संख्या में वृक्षारोपण का कार्य कराया गया, जिसकी सुरक्षा हेतु पालिका द्वारा विशेष कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए लगभग 85: पेड़ों का संरक्षण किया है। साथ ही पूर्व सांसद श्रीमती मेनका संजय गाँधी जी की पर्यावरण संरक्षण व शहर को हरा-भरा रखने की पहल व प्रयासों को याद करते हुए डिवाइडरों पर किये गये।

गंगा दशहरा पर हादसे : बदायूं में अलग–अलग घाटों पर सात श्रद्धालु डूबे... चार बचाए, युवक की मौत, दो लापता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बदायूं। बदायूं जिले में गंगा दशहरा पर अलग-अलग घाटों पर सात श्रद्धालु स्नान करते समय डूब गए। चार श्रद्धालुओं को बचा लिया गया। जबकि एक युवक की डूबने से मौत हो गई। गोताखोरों ने उसके शव को नदी से बरामद किया है। एक किशोर व किशोरी का लापता है। दोनों की तलाश जारी है।

पहला हादसा दातागंज थाना क्षेत्र के बेला डांडी रामगंगा घाट पर हुआ। यहां दशहरा के अवसर पर स्नान करते समय तीन दोस्त गहरे पानी में चले गए, जिससे वह डूबने लगे। यह देख गोताखोरों ने बमुश्किल उनको बाहर निकाला। इनमें दातागंज के वार्ड चार निवासी अमन (18 वर्ष) पुत्र ठाकुरदास की मौत हो गई। उसके दोस्त अखिलेश और रामबाबू को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। अमन के शव पोस्टमॉर्टम को भेजा गया है। उसके

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तहसील सहसवान क्षेत्र के गांव धापड़ निवासी पूरन का 12 वर्षीय पुत्र अन्नू गुरुवार सुबह करीब नौ बजे गांव के ही एक बालक के साथ गंगा में स्नान कर रहा था। स्नान के दौरान दोनों बालक गंगा में डूबने लगे। एक बालक को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि अन्नू लापता हो गया। ग्रामीण बालक की तलाश कर रहे हैं। एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने बताया कि कछला से गोताखोरों को बुलाया गया है। बच्चे की तलाश जारी है।

मुजरिया क्षेत्र में किशोरी डूबी

कछला गंगा घाट पर स्नान करते समय कासगंज के थाना गंजडुंडवारा क्षेत्र के गांव छितैरा निवासी गौरव (10 वर्ष) पुत्र दानवीर नदी में डूब रहा था, जिसे गंगा में एनाउंसमेंट कर रही वोट के नाविक गोताखोर ने कूदकर तुरंत बचा लिया। उधर मुजरिया थाना क्षेत्र के सगराय निवासी किशोरी नीतू (16) पुत्री कैलाश अपनी दादी रामवती व सहेली जगरात्रि (17) पुत्री डोरीलाल एवं गांव के ही कुछ लोगों के साथ गंगा स्नान करने आई थी। गंगा स्नान के दौरान उसकी सहेली ने बताया कि नीतू गंगा में डूब गई है। जिसके बाद गांव से किशोरी के माता-पिता गंगाघाट पहुंचे और किशोरी की तलाश कराई, लेकिन किशोरी का कुछ पता नहीं चल सका है।

हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार करायेंगे भाजपा जिलाध्यक्ष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। बस स्टेशन परिसर में स्थित जर्जर हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर लघु उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष डीपी गुप्ता एडवोकेट के साथ मंदिर के पुजारी करूणा शंकर तिवारी, के के गुप्ता, प्रदीप मिश्रा, अरविन्द चौरसिया, शिव कुमार गुप्ता आदि ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी से उनके आवास पर मुलाकात कर उन्हें मंदिर की दुर्दशा से अवगत कराते हुए उसके जीर्णोद्धार कराने हेतु एक ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने सभी को आश्वासन दिया कि वे जल्द से जल्द परिवहन मंत्री से मुलाकात कर जर्जर हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु प्रयास करेंगे। विदित हो कि बस स्टेशन परिसर के उत्तरी भाग में पीपल के प्राचीन वृक्ष के नीचे सैकड़ों साल पुराना बजरंगबली का मंदिर स्थित है जो कि वर्तमान समय में पूरी तरह जर्जर हो चुका। मंदिर का गुंबद बिजली गिरने से ध्वस्त हो चुका है। इसके अलावा मंदिर समतल भूमि से लगभग एक डेढ़ फिट नीचे धंस चुका है। बारीश के समय वहां पानी भर जाता है। बस स्टेशन परिसर की नई बिल्डिंग बनने के बाद से मंदिर एक कोने में हो जाने के कारण पूरी तरह उपेक्षित हो गया है। मंदिर जाने वाले मार्ग पर बसों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे वहां भक्त जनों को आने जाने में बड़ी असुविधा होती है। प्रतिनिधि मंडल ने हनुमान मंदिर में भक्त जन सुगमतापूर्वक आ जा सकें, इसके लिए बढ़ैयाबीर मार्ग की तरफ से एक गेट लगवाने की भी मांग किया।

पति को बेहोश कर जान से मारने की कोशिश, पत्नी और ससुरालवालों ने रची साजिश, रिपोर्ट दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बदायूं / बरेली। बदायूं के उझानी में एक दुकानदार को पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों ने पानी में विषाक्त पदार्थ मिलाकर पिलाने के बाद गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। सात महीने पुराने इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो दुकानदार ने एसएसपी से शिकायत की। जिस पर अब रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

एसएसपी के आदेश पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में गद्दी टोला मोहल्ले की कृष्णा कॉलोनी निवासी सद्दाम हुसैन उर्फ समीर का कहना है कि उसकी शादी वर्ष 2023 में बरेली जिले के कस्बा सिरौली निवासी रुखसार के साथ हुई थी। शादी के बाद रुखसार और उसके भाइयों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया।

आरोप है कि रुखसार ने साजिश के तहत कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। रुखसार ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उसे जान से मार देने का षड्यंत्र रचा। पानी में

विषाक्त पदार्थ मिलाकर बेहोश करने के बाद गला दबाकर जान लेने की कोशिश की।

घर से नकदी जेवर ले गई पत्नी

उसे पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हालात में सुधार नहीं होने पर निजी क्लीनिक पर इलाज चला। समीर का आरोप है कि जब वह घर लौटा तो पत्नी रुखसार नहीं मिली। वह अपने रिश्तेदारों के साथ घर में रखे 3.60 लाख रुपये और जेवरात समेट ले गई। अब पुलिस ने रुखसार, उसके भाई शकील, खलील, रईस मियां, रिश्तेदार अकरम उर्फ जोनी, उसकी बहन नियाज बानो और नियाज के पति आरिफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेड़ लगाकर सीएमएस ने की पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत

सुलतानपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर 'स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.के मिश्रा ने कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया। वृक्षारोपण करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए करने के लिए समाज के सभी वर्गों का आगे आना जरूरी है इसमें युवकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सभी लोग कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाए जिसके पास जगह नहीं है वह लोग गमले में ही कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए तभी हम पर्यावरण के साथ-साथ वातावरण को भी स्वच्छ सुंदर एवं प्रदूषण रहित बनाने में सफल होंगे। वृक्षारोपण मे प्रमुख रूप से वरिष्ठ निश्चेतक डॉ. निशिकांत गुप्ता, बालरोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश, तनवीर बाबू समेत विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

सेना को सेल्यूट करेंगी ये स्काई ड्राइवर, 12000 फीट पर फहराएंगी ऑपरेशन सिंदूर का फ्लैग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की बेटी स्काई ड्राइवर अनामिका शर्मा एक बार फिर नया कीर्तिमान बनाने जा रही हैं। अनामिका ऑपरेशन सिंदूर का फ्लैग हाथों में लेकर 12 हजार फीट से छलांग लगाएंगी। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद देश की सेनाओं के समर्थन में देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अनामिका शर्मा, ने आपरेशन सिंदूर के समर्थन में, आपरेशन सिंदूर का झंडा लेकर आसमान से छलांग लगाने का निर्णय लिया है।

अनामिका देश की सबसे कम उम्र USPA-D लाइसेंस होल्डर हैं। वो भारत की अकेली महिला हैं, जिन्होंने स्काइडाइविंग प्रशिक्षक के स्काई ड्राइवर का खिताब अपने नाम दर्ज किया है। अनामिका शर्मा आपरेशन सिंदूर का झंडा लेकर आसमान में लगभग 12000 फीट की

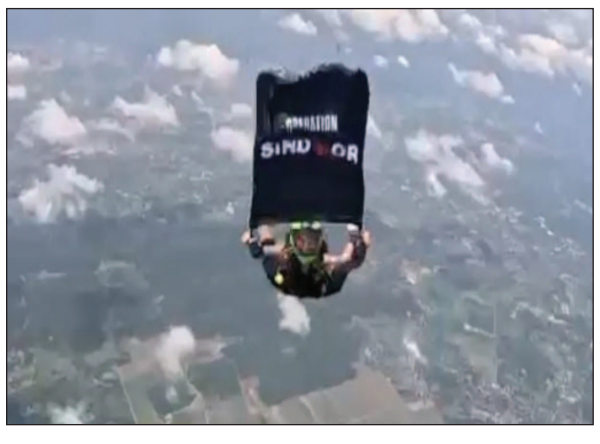

ऊंचाई से छलांग लगाएंगी। इससे भी बड़ी बात यह है कि अनामिका शर्मा यह प्रदर्शन विदेशी आसमान से करेंगी।

आसमान से दिया था संसार को कुंभ आने का निमंत्रण

आसमान होगा बैंकॉक का और साहस दिखेगा भारत की बेटी का। दुनिया अनामिका शर्मा के जरिये भारत के पराक्रम को देखेगी। अनामिका शर्मा, अपने अलग अंदाज में देश की सेना और लोगों का मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। अनामिका शर्मा मुख्यमंत्री योगी की शैली से बहुत प्रभावित हैं। सीएम योगी का नेतृत्व प्रदेश के युवाओं को प्रेरित करता है। इससे पहले अनामिका शर्मा ने "सर्व सिद्धि प्रदः कुंभ " का ध्वज लेकर बैंकॉक के आसमान से ही संपूर्ण संसार को कुंभ में आने का निमंत्रण दिया था।

पूरे देश में युवाओं की बनीं प्रेरणा

अनामिका के इस योगदान को उत्तर प्रदेश की सरकार, मेला प्रशासन सहित पूरे देश ने सराहा था। अनामिका शर्मा, उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में युवाओं की प्रेरणा बन गयी हैं। अनामिका भारत की नारी शक्ति का प्रतिनिधि चेहरा बन चुकी हैं। उनकी इन साहसी गतिविधियों से देश के लोगों में अदम्य ऊर्जा का संचार होगा।साथ ही दुनिया यह देख सकेगी कि वो जिस भारतीय समाज की महिलाओं को हीन भावना से दिखाने का प्रयास करती है वह एक झूठ से अधिक कुछ नहीं है।

बसपा नेता के बेटे ने दी जान: लैपटॉप और मोबाइल में दफ्न सीए की खुदकुशी का राज, लॉक लगा होने के कारण पुलिस उलझी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अमरोहा। अमरोहा में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के बेटे अश्वनी के आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग सका है। पुलिस मामले को सुलझाने के लिए उसके लैपटॉप और मोबाइल का सहारा लेगी। जिसके बाद ही इस बात का पता लग सकेगा कि अश्वनी ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया। अश्वनी दिल्ली में सीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहे थे। शहर की पॉश कॉलोनी आवास विकास प्रथम में रहने बसपा नेता राम अवतार सिंह के बेटे अश्वनी ने सोमवार शाम लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

अश्वनी के आत्मघाती कदम उठाने के समय राम अवतार सिंह पत्नी किरन लता, बेटी शिवानी व भाई के बेटे के साथ दवाई लेने मेरठ गए थे। देर रात जब वह वापस लौटे तो

अश्वनी को मृत देखकर उनके होश उड़ गए थे। अश्वनी दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर सीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। लेकिन अचानक उसके इस आत्मघाती कदम से हर कोई हैरान है।

अब पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मरने से पहले अश्वनी ने कोई सुसाइड नोट भी नहीं छोड़ा है। जिससे उसके इस कदम का राज सामने आ सके। घटना के बाद पुलिस ने रिवॉल्वर, अश्वनी का मोबाइल, लैपटॉप व डीवीआर कब्जे में ले ली थी।

फिलहाल पुलिस की जांच अश्वनी के मोबाइल व लैपटॉप पर टिकी हुई हैं। डीवीआर से भी आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा लैपटॉप व मोबाइल में लॉक लगा होने के कारण इसकी जांच आगे नहीं बढ़ सकी है।

एक्सपर्ट के द्वारा ही दोनों का लॉक टूटने के बाद कॉल डिटेल व सोशल मीडिया एकांउट से कुछ राज बाहर आ सकेंगे। आत्महत्या से पहले अश्वनी की किन-किन से बात हुई है, इसका रिकॉर्ड भी तलाशा जा रहा है। पुलिस की मानें तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अश्वनी ने शाम के समय ही आत्मघाती कदम उठाते हुए गोली मार ली थी। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने कहा कि आत्महत्या के कारणों को तलाशने का प्रयास किया जा रहा है।

अमरोहा : बसपा नेता के रिवाल्वर से गोली मारकर बेटे ने जान दी

अमरोहा में बसपा नेता राम अवतार सिंह के बेटे अश्वनी (21) ने लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह रिवाल्वर बसपा नेता का था। घटना के समय बसपा नेता तथा अन्य परिजन मेरठ दवा लेने गए थे। अश्वनी दिल्ली में सीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। घटना अमरोहा की आवास विकास प्रथम कॉलोनी की है। नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के नया गांव खंडसाल कलां के मूल निवासी बसपा नेता राम अवतार सिंह इसी कॉलोनी में काफी समय से रहते हैं। वह और पत्नी किरन लता कुछ समय से अस्वस्थ हैं। सोमवार को राम अवतार सिंह अपनी पत्नी, बेटी शिवानी और भाई के बेटे लवलेश के साथ दवा लेने मेरठ गए थे। घर पर बेटा अश्वनी ही अकेला था। परिवार की घर वापसी से पहले ही किसी समय अश्वनी ने पिता के लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर जान दे दी।

परिजनों ने बताया कि सोमवार रात जब मेरठ से लौटे तो मेन गेट (फाटक) भीतर से लॉक था। ताला ऐसा था, जिसे बाहर से भी खोल सकते थे। एक चाबी परिजनों के पास थी। इससे ताला खोलकर सभी छत के रिहायशी भाग में पहुंच गए। बेटे अश्वनी को वहां न देख मान लिया कि वह नीचे गेस्टरूम में सो गया होगा। कुछ समय बाद बेटी शिवानी नीचे पहुंची तो भाई को खून से लथपथ पड़ा देखा। उसके दाएं हाथ के पास पिता का रिवाल्वर पड़ा था।

मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

शिवानी की चीख निकल गई। इस पर परिवार के सभी लोग वहां पहुंचे और अश्वनी की आत्महत्या की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी शक्ति सिंह, इंस्पेक्टर पंकज तोमर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। एएसपी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। एसपी अमित कुमार आनंद के निर्देश पर फोरेंसिक व फिंगरप्रिंट टीम ने मौके से नमूने लिए।पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं समझ पा रहे हैं। मृतक का मोबाइल फोन, लैपटॉप और रिवाल्वर कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। हो सकता है कि फोन से कुछ राज खुल सके।

कुछ दिन पहले ही दिल्ली से आए थे अश्वनी व शिवानी

राम अवतार सिंह की बेटी शिवानी दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रही है। दिल्ली में ही अश्वनी की सीए की पढ़ाई चल रही थी। भाई-बहन कुछ दिन पहले दिल्ली से अमरोहा स्थित घर आए थे।

पढ़ाई में होशियार, रहता था रिजर्व

परिजनों व परिचितों ने बताया कि अश्वनी पढ़ाई में होशियार था। शुरुआत से ही उसने सीए बनने का लक्ष्य तय किया था। अब फाइनल पूरा करने की तैयारी थी। लोगों से कम बोलना और रिजर्व रहना उसका मिजाज था। कोई यह नहीं समझ पा रहा कि खामोश प्रकृति के अश्वनी के मन में वो कौन सा भूचाल आया जो उसने इस तरह का कदम उठा लिया।

लखनऊ में निकली आरपीआई की भारत विजय यात्रा, गूंजे 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' और 'पीओके लेकर रहेंगे' के नारे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश इकाई ने वीर सपूतों के शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए गुरुवार शाम को राजधानी की सड़कों पर 'भारत विजय यात्रा' निकाली। यह यात्रा भारतीय सेनाओं के अदम्य साहस और राष्ट्रीय अखंडता को समर्पित रही, जिसमें देशभक्ति से ओतप्रोत नारों ने माहौल को जोशीला बना दिया।यात्रा की शुरुआत कसमंडा स्थित आरपीआई प्रदेश कार्यालय से हुई और यह हजरतगंज चौराहा, हलवासिया, नाजा मार्केट, लालबाग, नगर निगम कार्यालय और दारूलशफ़ा होते हुए पुनः हजरतगंज चौराहे पर स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर संपन्न हुई। इस दौरान "पाकिस्तान मुर्दाबाद" और "पीओके लेकर रहेंगे" जैसे नारों से पूरा हजरतगंज गूंज उठा।यात्रा का नेतृत्व कर रहे आरपीआई उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि यह केवल एक रैली नहीं, बल्कि राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि आरपीआई की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में भारत विजय यात्रा निकाली जा रही है, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के शौर्य को नमन करते हुए देश के नागरिकों में राष्ट्रभक्ति का संचार करना है।उन्होंने कहा, "आज की यात्रा ने यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों के विरुद्ध देश की जनता एकजुट है। यह यात्रा सामाजिक एकता, संविधान की मर्यादा और देशभक्ति की भावना का प्रतीक बनकर उभरी है।" उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को इस राष्ट्रनिष्ठ आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए आह्वान किया कि वे इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष शानू मल्ल कौशल ने कहा कि भारतीय सेना के बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भारतीय सेना के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की और देश की अखंडता व संप्रभुता की रक्षा के लिए संकल्प दोहराया।इस आयोजन में लखनऊ महानगर अध्यक्ष आरके गौतम, प्रदेश सचिव राम अवध, मीडिया प्रभारी राजेश कुमार, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नसीर अली, प्रदेश मंत्री मोहम्मद फैजान, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. तहसीलदार चौरसिया, महिला प्रकोष्ठ की महानगर अध्यक्ष नसीमा कुरैशी, मंडल शिक्षक प्रकोष्ठ प्रभारी सरोज पांडेय, महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष डॉली गुप्ता, युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री अंकित श्रीवास्तव समेत सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।भारत विजय यात्रा के माध्यम से आरपीआई ने न सिर्फ सेनाओं के प्रति श्रद्धा प्रकट की, बल्कि यह भी स्पष्ट संदेश दिया कि देश की एकता और अखंडता के प्रति हर नागरिक की प्रतिबद्धता अडिग है।

पर्यावरण दिवस पर संरक्षित खेती करने वाले किसानों को किया गया सम्मानित, 96 लाख की प्रोत्साहन राशि वितरित

लखनऊ। पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन नवीन गल्ला मंडी, सीतापुर रोड, लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने की। उन्होंने संरक्षित खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों को 96 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित कर उनका सम्मान किया।कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि यह संयोग है कि यह आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर हो रहा है, जिन्होंने प्रदेश में औद्यानिकी क्षेत्र को नई दिशा दी है। संरक्षित खेती करने वाले जिन किसानों को सम्मानित किया गया उनमें उदय प्रताप सिंह, दविंदर सिंह, खुशी सिंह, राहुल द्विवेदी और खुशवंत कौर शामिल हैं।

ब्लॉक प्रमुख ने रुकवाया नियम विरुद्ध होने वाली नीलामी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज ब्लॉक में नियम विरुद्ध गुपचुप तरीके से हो रही निष्प्रयोज्य सामान की नीलामी की जानकारी मिलने पर ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा द्वारा नीलामी रुकवा दी गई। ठेकेदार सामान लादकर ले जा रहा था जिसे रोक दिया गया। गोसाईंगंज ब्लॉक में गुपचुप तरीके से सामान की नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जा रही थी। आवश्यक लोगों को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। न ही इसका प्रचार प्रसार करवाया गया था। नियमानुसार किसी राष्ट्रीय अखबार में नीलामी का विज्ञापन छपवाया जाना चाहिए लेकिन किसी राष्ट्रीय अखबार में इस नीलामी प्रक्रिया का विज्ञापन नहीं छपवाया गया था। नीलामी प्रक्रिया का कोई वीडियो भी सामने नहीं आया। ठेकेदार को ब्लॉक प्रमुख द्वारा सामान ले जाने से रोककर कहा गया कि सारे प्रपत्र और कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत ही प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी गोसाईंगंज आसुतोष कुमार श्रीवास्तव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नीलामी की प्रकिया पूरी की गई थी। अगर कोई आपत्ति करता है तो निरस्त कर दी जाएगी। नोटिस गजट के संबंध में वह पूरी बात नही बता सके।

ब्लाक प्रमुख का आरोप

ब्लॉक कर्मचारियों की मिली भगत के चलते गुपचुप तरीके से पुराने सामानों की नीलामी की जा रही थी। नीलामी को लेकर नोटिस बोर्ड पर कोई सूचना चस्पा नही की गई। न ही कोई जानकारी दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों रुपये के समान की नीलामी सिर्फ 18 हजार में कर दी। जिसकी जानकारी होने पर सामान की नीलामी रोक लगा दी।
विनय वर्मा ब्लाक प्रमुख गोसाईंगंज

चुनाव आयोग ने डिजिटल प्रणाली से इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्टिंग को बनाया अधिक प्रभावी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी की अध्यक्षता में चुनाव आयोग ने चुनाव सम्पन्न होने के बाद इंडेक्स कार्ड और विविध सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और तकनीक-संचालित बना दिया है। यह नई प्रणाली अब तक के पारंपरिक मैनुअल तरीकों की जगह ले रही है, जो न केवल समय लेने वाले थे, बल्कि डेटा की उपलब्धता और प्रसार में देरी का कारण भी बनते थे।चुनाव आयोग द्वारा विकसित यह आधुनिक प्रणाली ऑटोमेशन और डेटा इंटीग्रेशन पर आधारित है, जिससे रिपोर्टिंग प्रक्रिया अब तेज, सटीक और पारदर्शी हो गई है। इंडेक्स कार्ड, जो एक गैर-सांविधिक चुनाव पश्चात सांख्यिकीय रिपोर्टिंग प्रारूप है, को आयोग ने शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, पत्रकारों और आम नागरिकों के लिए विकसित किया है, जिससे उन्हें निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर विस्तृत और गहन चुनावी जानकारी सुलभ हो सके।इंडेक्स कार्ड के माध्यम से उम्मीदवारों की संख्या, डाले गए और गिने गए वोट, पार्टीवार और उम्मीदवारवार वोट शेयर, लिंग आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधताएं और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे महत्वपूर्ण आयामों का विश्लेषण किया जाता है। इन्हीं कार्ड्स के आधार पर लोकसभा चुनावों के लिए करीब 35 और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 14 सांख्यिकीय रिपोर्टें तैयार होती हैं। इन रिपोर्टों में राज्य, संसदीय/विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार मतदाता विवरण, मतदान केंद्रों की संख्या, महिला मतदाताओं की भागीदारी, राजनीतिक दलों का प्रदर्शन, जीतने वाले उम्मीदवारों का विश्लेषण तथा विस्तृत चुनावी परिणाम शामिल होते हैं।पहले इन रिपोर्टों को भौतिक फॉर्मेट में मैन्युअली तैयार किया जाता था, जिन्हें फिर ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज कर सांख्यिकीय रिपोर्टों में बदला जाता था। यह बहुस्तरीय प्रक्रिया न केवल समयसाध्य थी बल्कि इसमें मानवीय त्रुटियों की आशंका भी रहती थी। अब डिजिटल प्रणाली लागू होने से यह प्रक्रिया अधिक तीव्र, भरोसेमंद और उपयोगकर्ता अनुकूल बन गई है।चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इंडेक्स कार्ड से तैयार सांख्यिकीय रिपोर्टें केवल अकादमिक और शोध कार्यों के लिए हैं, जबकि वैधानिक और अंतिम डेटा संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा बनाए गए वैधानिक फॉर्म्स में रहता है। आयोग की यह पहल न केवल चुनावी डेटा के सुव्यवस्थित संग्रहण और विश्लेषण को सुदृढ़ करती है, बल्कि लोकतांत्रिक शोध और सार्वजनिक संवाद को भी एक नई दिशा प्रदान करती है।

छत के जाल को तोड़कर दुकान की नकदी व समान किया चोरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में एक अज्ञात चोर द्वारा छत का जाल काटकर दुकान के अंदर घुसकर चोरी किये जाने कर मामले में पुलिस के एक बाल अपचारी चोर की गिराफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया।

गोसाईंगंज पुलिस के मुताबिक पीडित मान सिंह निवासी ग्राम दुनियापत खेड़ा थाना गोसाईगंज ने बताया कि उसकी परचून की दुकान ग्राम सईयागोझ में नगराम-निलमथा रोड पर स्थित है। दिनांक 04 जून.2025 की रात्रि करीब 08.00 बजे पीड़ित प्रतिदिन की भांति अपनी दुकान बंद करके घर चले गये गुरुवार की सुबह जब वादी अपनी दुकान खोलने पंहुचे तो दुकान का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला व दुकान में रखी नगदी गायब मिली।

इस सूचना पर पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए मौके पर घटनास्थल पर पंहुचकर मामले की तफ्तीश किया गया तो पाया कि दुकान की छत पर खून पड़ा हुआ था, जिसके निशान दुकान के बगल में स्थित मकान तक जा रहे थे।

पुलिस द्वारा बगल के मकान में जाकर जांच की गयी तो बाल अपचारी उम्र करीब 16 वर्ष द्वारा उक्त चोरी की घटना जनपद बाराबंकी निवासी अपनी बुआ के लड़के के साथ मिलकर कारित किया जाना पाया गया। बाल अपचारी की निशानदेही पर दुकान से चोरी की गयी नगदी एवं घटना में प्रयुक्त आलानकब 01 अदद हथौड़ी व 01 अदद पिलास को बरामद किया गया

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर उत्तर प्रदेश में भव्य आयोजन शुरू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 21 जून 2025 को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस बार और भी भव्य रूप में मनाया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग₹ निर्धारित की गई है। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस अवसर पर 10 महत्वपूर्ण इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है ₹योग संगम₹ कार्यक्रम, जिसके तहत लखनऊ स्थित राजभवन के बड़े लॉन में 1 जून से 20 जून 2025 तक सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया जा रहा है।आयुष विभाग के महानिदेशक मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि इस विशेष योग अभ्यास श्रृंखला में लखनऊ के प्रमुख आयुष महाविद्यालयों व संस्थानों के छात्र, शिक्षक और योग अभ्यासी बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतिदिन लगभग 1000 लोग राजभवन में निर्धारित योगा प्रोटोकॉल के तहत योग अभ्यास कर रहे हैं।

प्रतिभाग करने वाले प्रमुख संस्थानों में राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज, तकमील उतिब यूनानी कॉलेज, सहित गोयल, सरदार पटेल, एन्क्राइट, आर.जी.एस., एस.आर.बी. आयुर्वेदिक कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग तथा बाबू युगराज सिंह आयुर्वेदिक कॉलेज शामिल हैं। साथ ही, पातंजलि योग संस्थान, तत्वमसि और आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संगठनों के प्रशिक्षित योगाभ्यासी भी सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं।महानिदेशक ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति का भी माध्यम है। दीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि यह जीवन में योग को अपनाने की प्रेरणा देने वाला अवसर है।आयुष विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और ग्राम पंचायतों में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत योग कार्यक्रम आयोजित कराए जाएंगे। इसके लिए विशेष रूप से मास्टर योग ट्रेनर्स तैयार किए जा रहे हैं, जो विभिन्न स्तरों पर लोगों को प्रशिक्षित करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की यह 11वीं वर्षगांठ उत्तर प्रदेश में न केवल स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाएगी, बल्कि ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य₹ के वैश्विक विचार को भी सशक्त रूप देगी।

कैंसर अस्पताल में पौध रोपड़ कार्यक्रम के साथ व्हीलचेयर व स्टेचर दिये

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नैशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन सेवा भारती तथा चिकित्सा सेवा क्षेत्र में कार्यरत अग्रणीय संस्था सम्राट विक्रमदित्य सेवा संस्थान द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के डायरेक्टर डॉ एम एल बी भट्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रेखा त्रिपाठी निदेशक मेधज एस्ट्रो फाउंडेशन, एम एस डॉ वरुण, तथा संस्थान के संस्थान के वित्त अधिकारी द्वारा पौध रोपड़ किया गया। सम्राट विक्रमदित्य सेवा संस्थान के संगठन महासचिव ओम प्रकाश पाण्डेय एवं अध्यक्ष डॉ नरेंद्र अग्रवाल सहित समस्त अतिथियों ने भारत माता एवं सम्राट विक्रमआदित्य के चित्र पर पुष्पार्चन करके कार्यक्रम की शुरुवात की। इस अवसर पर संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता देवेश द्वारा कल्पवृक्ष का पौधा रोपण हेतु दान किया गया। सेवा संस्थान के सचिव आनन्द पाण्डेय ने 10 व्हील चेयर और 5 स्ट्रेचर कैंसर संस्थान में दान दिया।

बकरीद से पहले नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

लखनऊ। आगामी बकरीद पर्व को देखते हुए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार शाम नगर निगम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने जोन-6 और जोन-2 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण और स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा की। नगर आयुक्त ने साफ किया कि त्योहार के अवसर पर शहरवासियों को स्वच्छ और हाइजीनिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने जोन-6 के बुनियाद बाग और कश्मीरी मोहल्ला वार्ड तथा जोन-2 के बिल्लौजपुरा क्षेत्र और राजा बाजार वार्ड का दौरा किया। उन्होंने पाया कि कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था में अपेक्षित सुधार की आवश्यकता है। इस पर उन्होंने ज़ोनल अधिकारी, सैनेटरी अधिकारी और फूड इंस्पेक्टर को स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बंदियों को जेल में मिले साफ हवा और उत्तम स्वास्थ्य : दारा सिंह चौहान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने जिला कारागार लखनऊ में गुरुवार को पौधरोपण किया, तथा नवनिर्मित ओपेन जिम का उद्घाटन किया। जिला कारागार लखनऊ में सौभाग्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर उन्होंने कारागार परिसर में आम का पौधा लगाया। इसी क्रम में महानिदेशक कारागार पी0सी0मीना एवं उप महानिरीक्षक कारागार रामधानी ने भी पौधरोपण किया।

कारागार मंत्री ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी पर्यावरण संरक्षण, मानव स्वास्थ्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं और उनके द्वारा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री तथा मा0 मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई पहल 'एक पेड़ मां के नाम' को आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है, ताकि धरती मां हरी-भरी हो सके। उन्होंने कहा कि कारागार परिसर में 200 अलग-अलग प्रजाति के वृक्ष लगाये जायेंगे। पौधारोपण करने से कारागार के अन्दर हरा-भरा वातावरण रहेगा, जिसका बन्दीगणों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इस अवसर पर अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह, जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी, सुरेन्द्र मोहन सिंह, मृत्यंजय पाण्डेय सहित सौभाग्य फांउडेशन के प्रतिनिधि, जेल के कार्मिक तथा निरुद्ध बंदी उपस्थित रहे।

प्लास्टिक प्रदूषण से एक मिनट में होती हैं दो मौतें : डॉ. सूर्यकान्त

» एक पेड़ मां के नाम: पत्नी प्रीति के साथ Dr. सूर्यकान्त ने किया वृक्षारोपण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में अपने विभाग में स्थित रोटरी रेस्पिरेटरी हर्बल पार्क में विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त की अध्यक्षता में 50 से अधिक औषधीय, फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान को पुनः गति प्रदान की गई है। इस अभियान का उद्देश्य देशभर में हरित आवरण को बढ़ाना तथा जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना है। उन्होंने प्रत्येक परिवार को इस अभियान से जुड़ने तथा पौधा रोपण हेतु प्रेरित किया। उन्होंने ख़ुद भी पत्नी प्रीति के साथ पौधारोपण किया , साथ ही यह भी कहा कि पेड़ लगाने के बाद उसका समुचित संरक्षण और देखभाल भी अनिवार्य है।

ऑर्गेनाइजेशन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ एनवायरनमेंट एंड नेचर (ओशन) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने कहा कि यदि हम अपनी जीवनशैली में कुछ आदतों को सुधार लें, तो इस सुंदर धरती को बचाया जा सकता है। धरती हमारी माँ है और हम इसकी संतान। उन्होंने बताया कि एक सामान्य प्लास्टिक बैग अपने वजन से 2000 गुना अधिक भार उठा सकता है, जिससे यह मानव जीवन की सुविधा का हिस्सा बन गया है। परंतु यही सुविधा आज मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के जीवन के लिए संकट बन चुकी है। भारत में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 11 किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग होता है, जबकि वैश्विक औसत 28 किलोग्राम है।

प्लास्टिक धीरे-धीरे विषैले रसायन छोड़ता है, जो जल, वायु और मिट्टी को प्रदूषित करता है। इसकी विघटन प्रक्रिया में 500 से 1000 वर्ष तक लग सकते हैं। इसे जलाने पर भी यह जहरीली गैसें छोड़ता है, जिससे वायु प्रदूषण और अनेक बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के चलते प्रति मिनट दो लोगों की मृत्यु होती है।

चिंताजनक तथ्य यह है कि प्लास्टिक की 90% से अधिक वस्तुएँ केवल एक बार उपयोग में लाई जाती हैं और फिर फेंक दी जाती हैं। यह कचरा नदियों और नालों के माध्यम से समुद्र तक पहुँचता है, जिससे जलचरों का जीवन संकट में पड़ जाता है। यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ समुद्री जीव प्लास्टिक निगलने या उसमें फँसने के कारण मारे जाते हैं। पशुओं की आँतों में प्लास्टिक बैग पाए गए हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु हो रही है।

प्लास्टिक प्रदूषण न केवल वर्तमान पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए भी एक गंभीर संकट है। अतः अब समय आ गया है कि हम कपड़े, जूट और कागज जैसे पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाएँ और एकल उपयोग प्लास्टिक का पूर्णतः बहिष्कार करें। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ के पूर्व सचिव श्री अशोक टंडन सहित विभाग से डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अजय वर्मा, डॉ. दर्शन बजाज, डॉ. ज्योति बाजपेई, डॉ. अंकित कुमार, समस्त रेज़िडेंट डॉक्टर्स, स्टाफ नर्सें एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे

दयानंद बाल सदन व भारत विकास परिषद के तत्वावधान में वृक्षारोपण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को श्रीमद् दयानंद बाल सदन एवं भारत विकास परिषद के तत्वावधान में बड़े पैमाने पर पौध रोपण किया गया। इस मौके पर बाल सदन के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। कार्यक्रम का आयोजन बाल सदन के मंत्री अजय प्रकाश एवं श्रीमती रतन प्रकाश की देखरेख में आयोजित किया गया । कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर संयुक्ता भाटिया पूर्व मेयर, अमरनाथ मिश्रा - अध्यक्ष व्यापार मंडल एवं कन्हैयालाल अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों के भीतर जागरूकता पैदा करना रहा।

पहले नींबू मिर्च बांध कर राफेल का मजाक उड़ाया, अब आत्मसमर्पण की बात कह सेना पर सवाल उठाया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दावा कर रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुरंत 'आत्मसमर्पण' कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि एक ओर कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने और भारतीय सैन्य बलों के पराक्रम को सलाम करने के लिए देशभर में जय हिंद सभाएं कर रही है तो दूसरी ओर उसके शीर्ष नेता कह रहे हैं कि भारत ने आत्मसमर्पण कर दिया। देखा जाये तो राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जो सीधा हमला किया है वह अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैन्य बलों पर भी हमला है क्योंकि युद्ध के मैदान में वही डटे हुए थे। आश्चर्य की बात यह है कि एक ओर पाकिस्तान रोज नये नये खुलासे करते हुए बता रहा है कि भारत ने हमारा ये भी नुकसान कर दिया, भारत ने हमारा वो भी नुकसान कर दिया...मगर राहुल गांधी कह रहे हैं कि भारत ने आत्मसमर्पण कर दिया। लोकतंत्र में एक दूसरे पर राजनीतिक हमले करना स्वाभाविक है लेकिन हर बार सेना के शौर्य पर सवाल उठा देना गलत है।

सर्जिकल स्ट्राइक और एअर स्ट्राइक के सबूत मांगने वालों के लिए चूंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के वीडियो पहले दिन से ही सार्वजनिक रूप से मौजूद थे, इसलिए राहुल गांधी ने पूरे ऑपरेशन की सफलता पर ही सवाल उठा दिये हैं। राहुल गांधी का आत्मसमर्पण वाला बयान उस दौरान आया जब भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 33 देशों की यात्रा के दौरान वहां की सरकारों को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति से अवगत कराते हुए स्पष्ट कर रहे थे कि अगर हमारी धरती पर आतंकवादी हमले होते हैं तो हम आतंकवादियों और उन्हें प्रायोजित करने वालों को दंडित करना जारी रखेंगे। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि कहीं राहुल गांधी ने भारत के इस कूटनीतिक अभियान को क्षति पहुँचाने के मकसद से तो यह बयान नहीं दिया? सवाल यह भी उठता है कि प्रतिनिधिमंडलों में शामिल विपक्षी नेता जिस तरह भारत का पक्ष दृढ़ता से रख रहे थे कहीं उसको देख कर तो राहुल का गुस्सा नहीं भड़क गया है? सवाल यह भी उठता है कि विदेश दौरों पर भारत की सरकार और संवैधानिक संस्थानों पर सवाल उठाने वाले राहुल गांधी को कहीं विदेशों में भारत की सरकार की बढ़ती स्वीकार्यता तो नहीं चुभ रही थी?

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर सवाल उठाने वाले राहुल गांधी समेत तमाम नेताओं को यह समझना होगा कि किसी भी सूरत में सेना के मनोबल को गिराने का काम कतई नहीं करना चाहिए। ऐसे नेताओं को सरकार की बात पर यकीन नहीं है तो उन्हें सेना की बात सुननी चाहिए जोकि 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत से ही सारी बातें देश को बता रही है। स्वयं सीडीएस भी इस बारे में विस्तार से जानकारी दे चुके हैं। एक दिन पहले पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने और जानकारी देते हुए बताया है कि पाकिस्तान ने 10 मई की सुबह कई हमले किए, जिनका उद्देश्य भारत को 48 घंटे में शिकस्त देने का था, लेकिन खुद उसने आठ घंटे में ही घुटने टेक दिए थे और शत्रुता समाप्त करने के लिए उसे नयी दिल्ली से संपर्क करना पड़ा था। जनरल चौहान ने कहा था कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत की कार्रवाई सीमा पार आतंकवाद के प्रति ''सहनशक्ति की हद'' निर्धारित करने के साथ ही इस्लामाबाद के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करने की थी।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह बात स्वीकार करने के लिए हो रही अपनी आलोचना को खारिज किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रारंभिक चरण में भारत ने अनिर्दिष्ट संख्या में लड़ाकू जेट विमान खो दिए। जनरल चौहान ने कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं, क्योंकि समग्र परिणाम ऐसे नुकसान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरते हैं और पारी से जीत जाते हैं, तो विकेट और गेंद आदि का सवाल ही नहीं उठता।'' सीडीएस ने कहा, ''जब मुझसे हमारी ओर से हुई क्षति के बारे में पूछा गया तो मैंने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, यह महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''दस मई को रात लगभग एक बजे, उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य 48 घंटों में भारत को शिकस्त देने का था। कई हमले किए गए और किसी न किसी तरीके से उन्होंने इस संघर्ष को बढ़ा दिया।

आतंकवाद के मुकाबिल बदलती अमेरिकी नीतियों के दृष्टिगत अब भारत को बनानी होगी नई रणनीति?

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान को आज तालिबानी जेहादी लड़ाके चला रहे हैं और पाकिस्तान में भी मुस्लिम आतंकवादी लड़ाके सेना का अंग बन चुके हैं जिसकी पुष्टि ऑपरेशन सिंदूर के बाद निकले जनाजे से हुई है।

कमलेश पांडे

आपको पता होना चाहिए कि दमिश्क/अम्मान से रायटर ने गत 2 जून 2025 दिन सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत के हवाले से खुलासा करते हुए कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने सीरिया के नए 'आतंकी/जेहादी' नेतृत्व द्वारा हजारों विदेशी जिहादी यानी पूर्व विद्रोही लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल करने की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है, बशर्ते कि यह पारदर्शी तरीके से हो। जैसा कि तीन सीरियाई रक्षा अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इस योजना के तहत, लगभग 3,500 विदेशी लड़ाके, मुख्य रूप से चीन और पड़ोसी देशों के उइगर, एक नवगठित इकाई, 84वीं सीरियाई सेना डिवीजन में शामिल होंगे, जिसमें सीरियाई भी शामिल होंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ये लड़ाके अपनी पुरानी मानसिकता से उबर पाएंगे?

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान को आज तालिबानी जेहादी लड़ाके चला रहे हैं और पाकिस्तान में भी मुस्लिम आतंकवादी लड़ाके सेना का अंग बन चुके हैं जिसकी पुष्टि ऑपरेशन सिंदूर के बाद निकले जनाजे से हुई है। ये तो महज बानगी है। हकीकत यह है कि पूरी दुनिया के शातिर अपराधी कहीं लोकतंत्र के नाम पर, कहीं तानाशाही की आड़ में, कहीं साम्यवाद की छतरी तले और कहीं धर्मांध शासन की छत्रछाया में सेना, पुलिस या अन्य महकमों में घुस चुके हैं और पूंजीवादी टूल्स बनकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।

स्पष्ट है कि समसामयिक विश्व में 'आतंकवाद' एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो पूंजीपतियों की शह पर लोकतंत्र को कमजोर करते हुए हथियारों व सुरक्षा उपकरणों के सौदागरों को बेहिसाब मुनाफे की गारंटी देता है। चूंकि इनके वैचारिक क्लोन बहुरूपिया बनकर कहीं अंडरवर्ल्ड के माफिया सरगना और उनके खूंखार अपराधियों के तौर पर, कहीं वामपंथी नक्सलियों के वेश में, कहीं जातीय-सांप्रदायिक-भाषाई शहंशाह के रूप में हर जगह अपनी गहरी जड़ें जमा चुके हैं, इसलिए इनका गोरखधंधा जमने में कभी भी देर नहीं लगती।

चूंकि इसे रोकना भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। क्योंकि दुनिया का थानेदार अमेरिका कभी सोवियत संघ (अब रूस) व उसके सहयोगियों को कमजोर करते हुए उनसे ही रणनीतिक मुनाफा कमाने के लिए बरास्ता पाकिस्तान-अफगानिस्तान-अरब देश इनको प्रोत्साहन व संरक्षण देता आया है, इसलिए इन

आतंकवादियों का भविष्य उज्ज्वल है। वैसे तो रूस, चीन और भारत भी अमेरिकी पैंतरे को कमजोर करने के लिए अरब देशों में अपनी स्थिति मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं, लेकिन गिरगिट की तरह रंग बदलती अमेरिकी चालों के समक्ष ये लाचार बन जाते हैं।

वैसे तो चीन ने पाकिस्तान को साधकर अफगानिस्तान में व रूस ने भारत को साधकर ईरान में अमेरिका को कमजोर कर चुके हैं। इसलिए अमेरिका पाकिस्तान पर पुनः मेहरबानी दिखा रहा है। जबकि 9/11 यानी 11 सितंबर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका पर कुख्यात आतंकवादी संगठन 'अल-क़ायदा,' द्वारा किये गए समन्वित आत्मघाती हमलों की एक श्रंखला से अमेरिका बौखला उठा और आतंकवादियों के खात्मे का निश्चय करके लगभग 24 वर्षों तक उनकी मुखालफत की।

उल्लेखनीय है कि 9/11 को सबेरे, 19 अल कायदा आतंकवादियों ने चार वाणिज्यिक यात्री जेट वायुयानों का अपहरण कर लिया और वर्ल्ड ट्रेड टॉवर को क्षतिग्रस्त कर दिया। यही वजह है कि अमेरिका के खिलाफ अरब देशों में रूस-चीन को एक आधार मिल गया। यही वजह है कि 9/11 के ब्रेक के बाद तेजी से उसके लिए चुनौती बनते जा रहे चीन के खिलाफ अब एक बार फिर से वह अपनी पुरानी आतंकवादियों को मदद देने वाली नीतियों को नया विस्तार देने के मूड में आ चुका है। लिहाजा आतंकवाद के मुकाबिल बदलती अमेरिकी नीतियों के दृष्टिगत अब भारत को नई रणनीति बनानी होगी, अन्यथा आतंकवाद उस पर भारी पड़ जायेगा।

स्वाभाविक सवाल है कि आखिर विगत लगभग अढाई दशकों यानी 24-25 वर्षों तक आतंकवाद का भुक्तभोगी देश अमेरिका फिर से आतंकवादियों को मदद देने और पूंजीवादी अंडरवर्ल्ड से जुड़े सफेदपोश अपराधियों-मादक पदार्थों व हथियारों के तस्करों से उन्हें लामबंद कर उनको एक नया और क्रूर सांप्रदायिक आधार प्रदान करने के लिए क्यों आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया से मिल रही छनी-छनाई खबरों के मुताबिक, अमेरिका फिर से अल-क़ायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों को तैयार कर रहा है। क्योंकि इस बार उसका निशाना चीन है!

हालांकि, इस बात में कोई दो राय नहीं कि यह पुनः बरास्ता पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भी पसरेगा, यानी भारत व भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य देशों में भी। चूंकि सीरिया में आतंकियों को सबसे अधिक समर्थन देने वाला देश तुर्की है, जो अब पाकिस्तान का सहयोगी है। उधर, अमेरिका व फ्रांस जैसे देश एक बार फिर से पाकिस्तान/तुर्की व सीरिया से भरोसे का सम्बन्ध विकसित करने लगे हैं, ताकि इनके ऊपर रूसी-चीनी प्रभाव को कम किया जा सके। वहीं सवाल यह भी है कि अब जब सीरिया का आतंकवादी शासन चीन में पैंतरा करेगा, तो क्या भारत में असर नहीं पड़ेगा? क्या तुर्की और खाड़ी देश यह गारंटी देंगे कि ये 'धर्मभीरु इस्लामिक शैतान' करेंगे?

वहीं, सबसे सुलगता हुआ सवाल यह है कि क्या भारत व उसके अभिन्न सहयोगी रूस को इस मामले में गंभीर नहीं होना चाहिए? क्या भारत की विदेश नीति केवल भारत के भ्रष्ट, विचारहीन और अभिजात्य (इलीट) लोग ही तय करते रहेंगे? क्योंकि अफ़ग़ानिस्तान में जो अस्सी और नब्बे के दशक में खेल हुआ, उससे हमारा देश भारत आज तक भी नहीं उबरा है। तब से अब तक आधा से अधिक देश बंदूकों के साये में जी रहा है।

आपको यह भी पता होना चाहिए कि जहां आतंकवादी अमेरिकी पूंजीवादी औजार हैं, वहीं नक्सली चीनी पूंजीवादी हथियार। जबकि अंडरवर्ल्ड सरगना लोकल पूंजीवादी टूल्स। इन सबका एकमात्र मकसद लोकतंत्र यानी संख्या बल की आड़ में पूंजीपतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं/उनके भक्त नौकरशाहों के दिलों में भय पैदा करना और अपना कारोबारी हित साधना। इसलिए इनकी मूल प्रवृत्ति को भारतीय दलितों, ओबीसीज, ईडब्ल्यूएस को समझना होगा और अपनी ठोस रणनीति के सहारे इन्हें भारतीय महाद्वीप से दूर रखना होगा, अन्यथा भारत को अशांत रखने, इसे पुनः खंडित करने में दुनियावी पूंजीवादी ताकतें सफल हो सकती हैं।

अजब-गजब

अब भारत में दिखी ये 'शापित' मछली, क्या होने वाली है अनहोनी? इंटरनेट पर छिड़ी बहस

हाल ही में तमिलनाडु के मछुआरों की जाल में एक बेहद दुर्लभ ओरफिश (Oarfish) मछली फंसी, जिसने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचा दी है। चांदी के रंग और रिबन जैसी दिखने वाली यह मछली लगभग 30 फीट तक बढ़ सकती है। इसके सिर पर लाल रंग का एक खास फिन होता है। आमतौर पर यह मछली समुद्र की गहराई में पाई जाती है। लेकिन सतह पर इसकी उपस्थिति ने जिज्ञासा और चिंता दोनों बढ़ा दी है, क्योंकि कई लोग इसे प्राकृतिक आपदाओं का संकेत मानते हैं।

ओरफिश या रिबनफिश को Doomsday Fish भी कहते हैं। जापान और फिलीपींस में ऐसी मान्यता है कि यह मछली तभी सतह पर आती है, जब कोई आपदा निकट होती है। इस मछली का दिखना यानि भूकंप या सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं का संकेत हो सकता है। जापानी लोककथाओं में इसे 'भूकंप का अग्रदूत' कहा जाता है। इसी कारण ओरफिश को 'प्रलय की मछली' नाम मिला है।

कुछ ऐतिहासिक घटनाओं में इस मछली और बड़ी आपदाओं के बीच एक अजीबोगरीब संबंध देखा गया है। 2011 में जब जापान में विनाशकारी भूकंप और सुनामी आया था, तो उससे पहले दर्जनों ओरफिश देखी गई थीं। 2017 में फिलीपींस में आए भूकंप से पहले भी दो ओरफिश देखी गई थी। इसी तरह मेक्सिको में भी ओरफिश दिखने के बाद एक बड़ा भूकंप आया था। इन घटनाओं ने लोककथाओं को और बल दिया है।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने इस सिद्धांत को सिरे से खारिज कर दिया है। 2019 में बुलेटिन ऑफ सिसमोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया ओरफिश की मौजूदगी और भूकंप के बीच कोई संबंध नहीं है। लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, ओरफिश तभी सतह पर आती है जब वह बीमार होती है या फिर तापमान और धाराओं में बदलाव के कारण ऊपर आ जाती हैं। 2018 की एक स्टडी में भी पुष्टि हुई कि जलवायु घटनाएं गहरे पानी में रहने वाली ओरफिश को ऊपर ला सकती हैं। वैज्ञानिक योशियाकी ओरिहारा का कहना है कि अभी तक ऐसे कोई प्रमाण नहीं मिले हैं कि ओरफिश भूकंप का संदेश देती है। अब तमिलनाडु में इस मछली के दिखने के बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है।

ब्लॉग

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

अयोध्या में परिवार संग विराजे राजा राम, अभिजीत मुहूर्त में हुई प्राण प्रतिष्ठा

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। आज गंगा दशहरा है। इस अवसर पर भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गरिमा के स्वर्णिम अध्याय में एक और पन्ना जुड़ने जा रहा है। आज एक बार फिर अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हो गया है। रामलला से रामदरबार तक भक्ति का विस्तार होने जा रहा है। आज मंदिर में रामदरबार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। राजा राम का दरबार मंदिर के पहले तल पर बना है।

आज रामदरबार और गर्भगृह के चारों कोनों में बने परकोटे के अन्य मंदिरों में भी सात विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा शुरू हो गई है। अयोध्या और काशी से आए 101 वैदिक आचार्य इस प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को पूरा कराएंगे। आचार्यों के वैदिक मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर वैदिक ऊर्जा से गूंज उठेगा। इसके बाद श्रीराम स्वयं रामदरबार में विराजेंगे। इसके बाद भक्तों को रामलला के साथ-साथ राम दरबार के भी दर्शन हो सकेंगे।

अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा

यह प्राण प्रतिष्ठा अभिजीत मुहूर्त में हुई। अभिजीत मुहूर्त दिन का सबसे शुभ और पवित्र समय माना जाता है। राम दरबार और सात अन्य विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा आज 11 बजकर 25 मिनट से 11बजकर 40मिनट तक की गई। आज सिद्ध योग भी बन रहा है। पूजन, भोग, आरती के बाद अनुष्ठान समाप्त होगा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद सीता राम समेत चारों भाइयों और बजरंगबली को आभूषण पहनाए गए।

प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचें सीएम योगी

प्राण प्रतिष्ठा के इस आयोजन में शामिल होने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ समेत पांच सौ से अधिक मेहमान पहुंचे। इस कार्यक्रम में सीएम योगी बतौर मख्य अतिथि शामिल हुए हैं। संघ, विहिप और बीजेपी से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भी प्राण प्रतिष्ठा में आने का न्योता दिया गया है। सीएम आज सुबह श्रीरामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर उतरे थे और फिर वो हनुमानगढ़ी गए। हनुमानगढ़ी में सीएम योगी ने दर्शन-पूजन किए।

सुरक्षा के हैं पुख्ता इंतजाम

अयोध्या जिला प्रशासन, राम मंदिर ट्रस्ट और अन्य एजेंसियों की ओर से सभी तैयारियां कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को भारत की 21 पवित्र नदियों के जल से सभी देव विग्रहों का अभिषेक हुआ। उनको परिसर भ्रमण कराया गया। राम दरबार समेत सभी देव विग्रहों का अभिषेक हुआ।

केक काटकर मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

लालगंज,रायबरेली। लालगंज के अटल चौक गांधी चौराहे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्म दिवस के काटकर मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने योगी जी के तिलक लगाकर उनके दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर भाजपा के विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर केक काटकर मिष्ठान वितरण किया गया है। भाजपा नेता अनूप पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जहां विरासत को संजोने का काम कर रहे हैं वहीं विकास की भी एक नई इबारत लिख रहे हैं। आज उनके कार्यकाल में जहां प्रदेश में उद्योगपतियों के द्वारा लगातार निवेश किया जा रहा है और लोगों को रोजगार मिल रहा है, वही मुख्यमंत्री योगी जी ने काशी स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर, विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी जी का मंदिर और अयोध्या स्थित भगवान श्री राम के मंदिर को भव्य रूप देने का काम किया है।

होने वाले दामाद से बोली सास– मुझसे शादी करोगे क्या? जवाब सुन फूली न समाई; बेटी ने फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक शादी इन दिनों खूब चर्चा में बनी हुई है। कारण है इस शादी की फिल्मी कहानी। दरअसल, एक विधवा महिला अपनी बेटी के लिए दूल्दा तलाश रही थी। कई रिश्ते देखे, लेकिन कहीं बात न बनी। महिला चाहती थी कि उसकी बेटी के लिए एक परफेक्ट दूल्हा मिले। एक घर पर जाकर उसकी यह तलाश खत्म हुई। यहां एक युवक उस महिला को अपनी बेटी के लिए भा गया। बात बनी तो महिला ने युवक का फोन नंबर लिया। फिर दोनों में बात होने लगी। लेकिन यहां तो कुछ और ही खिचड़ी पकने लगी। सास को अपने होने वाले दामाद से ही प्यार हो गया।

सास ने एक रोज होने वाले दामाद से पूछ ही लिया- क्या तुम मुझसे शादी करोगे? दामाद ने भी बिना देर किए उसे हां कह दिया। जैसे ही असली दुल्हन को यह बात पता चली तो वो दंग रह गई। उसने जो कदम उठाया, उससे हर कोई दंग रह गया।

मामला बंडा के देवकली अंतर्गत रंमस्तपुर क्षेत्र का है। यहं एक महिला के पति का तीन साल पहले निधन हो गया था। तभी से वह अपनी बेटी के साथ रह रही थी। बेटी शादी के लायक हुई तो महिला ने उसके लिए योग्य वर की तलाश में थी। कई जगह पर उसने लड़के देखे लेकिन बात नहीं बनी। इसी सिलसिले में महिला शाहजहांपुर के पास एक गांव में रिश्ते के लिए गई थी, जहां एक युवक उसे अपनी बेटी के लिए सही लगा।

सास ने किया दामाद को प्रपोज

महिला ने उस युवक से बेटी का रिश्ता तय कर दिया। इसके बाद महिला ने युवक का मोबाइल नंबर ले लिया और फिर दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी। पहले दोनों दोस्त बने और फिर एक-दूसरे को दिल दे बैठे। इसके बाद महिला ने युवक से शादी की बात की और युवक ने भी हामी भर दी। इसके बाद महिला ने अपनी बेटी को पूरी बात बताई।

सास-दामाद ने कर ली शादी

बेटी ने भी मां की भावनाओं को समझते हुए साथ देने का फैसला किया। बेटी ने खुद अपनी मां को इस रिश्ते और विवाह के लिए प्रेरित किया। इसके बाद करीब चार दिन पहले दोनों ने शाहजहांपुर के एक मंदिर में वरमाला डालकर विवाह कर लिया। वहीं जब शादी करके महिला गांव पहुंची तो हर कोई हैरान रह गया। कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि बेटी की शादी के लिए निकली महिला खुद दुल्हन बनकर लौटी। यह शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं, दूल्हा-दुल्हन इस शादी से बेहद खुश हैं।

डॉक्टर्स की लापरवाही... नसबंदी के बाद पैदा हुई संतान; कोर्ट ने सरकार को दिया ये आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मऊआइमा में प्राथमिक स्वास्थय केंद्र में महिला ने अपनी नसबंदी कराई, लेकिन इसके बाद उसने बच्ची को जन्म दे दिया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि डॉक्टरों ने चूक की। इसके बाद महिला ने नसबंदी की विफलता के लिए अदालत में वाद दायर किया था। अब इस मामले में स्थाई लोक अदालत ने माना है कि डॉक्टरों ने गंभीर चूक की। साथ ही अदलत ने यूपी सरकार को याचिकाकर्ता महिला को मुआवजा देने का आदेश दिया।

स्थाई लोक अदालत के चेयरमैन विकार अहमद अंसारी और सदस्य डॉ। रिचा पाठक औरसत्येंद्र मिश्रा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसला दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता महिला की अनचाही संतान, बच्ची के लिए पालन-पोषण के लिए सरकार की ओर से उसे दो

लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा अदालत ने कहा कि जब तक बच्ची 18 साल की नहीं हो जाती या ग्रेजुएशन नहीं कर लेती तब तक उसके रखरखाव के लिए 5,000 रुपये हर महीने दिए जाएं।

लोक अदालत ने की ये टिप्पणी

इतना ही नहीं अदालत ने नसबंदी सफल न होने की वजह से महिला ने जो मानसिक और शारीरिक तकलीफ झेली उसके लिए उसे 20 हजार अतिरिक्त मुआवजा देने का आदेश भी दिया। अदालत की ओर से जारी आदेश में नसबंदी की विफलता को लेकर डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही की बात कही गई। साथ ही अदालत ने अपने आदेश में कहा कि नसबंदी सफल न होने की वजह से महिला को मानसिक और शारीरिक परेशानी तो हुई ही, बल्कि अब उसको एक अनचाही संतान का पोषण भी करना पड़ेगा।

ये है पूरा मामला

अदालत ने माना कि ये समाजिक-आर्थिक बोझ है। सरकार इसके लिए महिला को मुआवजा दे। दरअसल, याचिकाकर्ता महिला अनीता ने बताया कि उनके पहले से ही कई बच्चे हैं। उनको अब संतान नहीं चाहिए थी, इसलिए उन्होंने मऊआइमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नसबंदी करवाई थी। इसके बाद उनको ऑपरेशन सफल रहने और आगे संतान न होने का आश्वसन दिया गया। हालांकि कुछ समय उनके शरीर में कुछ समस्या हुई।

इसके बाद उन्होंने अल्ट्रासाउंड कराया। तब उनको 16 सप्ताह और 6 दिन की गर्भवती होने का पता चला। बाद में उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। इससे वो बहुत आहत हुईं। इसके लिए उन्होंने डॉक्टरों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। फिर उन्होंने लोक अदालत में एक वाद दायर किया। इसमें उन्होंने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पक्षकार बनाया और चूक के लिए उचित मुआवजा मांगा।

राम मंदिर में पूरी हुई प्राण प्रतिष्ठा, ऐसा है राजा राम का दरबार

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। 22 जनवरी 2024 को जब बाल स्वरूप में रामलला राम जन्मभूमि के गर्भगृह में विराजे, तब से अयोध्या में भक्तों का उत्साह सातवें आसमान पर था. परंतु अब, उससे भी एक कदम आगे, अयोध्या ने एक और स्वर्णिम अध्याय रच दिया है जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम राजा राम के रूप में, राम मंदिर के प्रथम तल पर अपने राज दरबार में विराजमान हुए हैं। यह दृश्य मात्र एक प्रतिमा नहीं, बल्कि एक युग का पुनर्जन्म है।

श्रीराम अब अकेले नहीं हैं ,उनके साथ मां सीता, भ्राता लक्ष्मण, भक्त हनुमान, भरत, शत्रुघ्न और गुरु वशिष्ठ भी विराजमान हैं। यह पूरा दृश्य हमें सीधे त्रेतायुग के उस अद्भुत रामराज्य की स्मृति दिलाता है, जिसकी कल्पना वेदों और पुराणों में की गई है। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं 'रामराज बैठे त्रैलोका, हरषित भये गए सब सोका।' वही दृश्य आज अयोध्या में जीवंत हो गया है।

कैसा है रामराज्य का दरबार?

भगवान राम का दरबार न्याय, करुणा और धर्म का प्रतीक था। वे सिंहासन पर विराजमान होते हुए, प्रजा के हर सुख-दुख को अपनी जिम्मेदारी समझते थे। वे केवल एक राजा नहीं, 'राजर्षि' थे, जो तप, त्याग और सेवा का जीवंत स्वरूप थे। दरबार का दृश्य अद्भुत है। स्वर्ण जड़ित सिंहासन, सिंहों की आकृति से सुशोभित मंच और उसके चारों ओर खड़े उनके परिजन और सेवक। यह केवल एक स्थापत्य कला नहीं, यह आस्था का मूर्त रूप है।

रामराज्य की ओर पहला कदम

अयोध्या में विराजित राजा राम का दर्शन आज के युग के लोगों को यह विश्वास दिलाता है कि रामराज्य केवल एक कल्पना नहीं, एक जीवंत प्रेरणा है। यह दरबार हमें स्मरण कराता है कि रामराज्य का अर्थ था सत्य और न्याय का राज्य, प्रजा का कल्याण और राजा की निरंतर सेवा भावना है। आज जब राम भक्त इस राजदरबार में प्रवेश करते हैं, तो मानो वे त्रेतायुग के उस स्वर्ण युग में पहुंच जाते हैं, जहां हर दिशा में राम नाम की गूंज होती थी। तो आइए, अयोध्या धाम और राजा राम का राजदरबार देखिए। ये केवल दर्शन नहीं, ये एक युग की अनुभूति है। रामराज्य की ओर पहला कदम यहीं से शुरू होता है।

लखनऊ में 3 साल की दिव्यांग बच्ची से रेप मेट्रो पुल के नीचे मां के साथ सो रही थी मासूम, 5 टीमें कर रहीं दरिंदों की तलाश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मेट्रो पुल के नीचे अपनी मां के साथ सो रही तीन साल की दिव्यांग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। अज्ञात आरोपी बच्ची का मुंह दबाकर उसे उठाकर ले गए और वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। रात को दो बजे बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली।

दरअसल, ये घटना बुधवार रात को घटी। जब बच्ची को आरोपियों ने उठा लिया था। बच्ची अपने माता-पिता के साथ आलमबाग में मेट्रो स्टेशन के नीचे रहती थी। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 2 बजे एक व्यक्ति ने परिवार को सूचना दी कि बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी है। माता-पिता ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। पॉवर लाइन की टीम ने बच्ची को गंभीर हालत में लोकबंधु

अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे पीजीआई रेफर कर दिया गया।

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

घटना में बच्ची के प्राइवेट पार्ट में गहरा घाव होने की बात सामने आई है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। डीसीपी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि घटना के बाद थाना आलमबाग में सुसंगत धाराओं में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के खुलासे के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं, जो आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। डीसीपी मध्य और अन्य उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बच्ची को पीजीआई रेफर किया गया

पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। लोक बंधु हॉस्पिटल के सीएमएस डॉक्टर अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि बच्ची का मेडिकल किया जा चुका है। शुरुआती इलाज भी कर दिया गया है। बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर घाव गंभीर है। इसलिए उसको पीजीआई रेफर किया जा रहा है। पुलिस और परिवार मौके पर मौजूद है। पीड़ित परिवार उत्तर प्रदेश के उन्नाव का रहने वाला है और कबाड़ बीनने का काम करता है।

दशहरे पर सवयंसेवको ने गंगा की रेती पर लगायी शाखा, संघस्थान पर किया पौधरोपण

मीरजापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मीरजापुर नगर कार्यकारिणी की ओर से गुरूवार को गंगा दशहरा के अवसर पर नारघाट के सामने चील्ह रेता पर शाखा लगाया। तत्पश्चात शाखा मे नित्यप्रति होने वाले सूक्ष्म व्यायाम, कबड्डी, सूर्य नमस्कार सहित गणगीत चंदन है इस देश की माटी का गायन किया। शाखा विकिर के उपरान्त सभी स्वयंसेवक चेतक शाखा पर पहुंचे।जहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला पर्यावरण संयोजक संजय सेठ के निर्देशन मे संघ स्थान के आसपास वृहद पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर नगर संघचालक अशोक कुमार सोनी, जिला व्यवस्था प्रमुख राजकुमार, नगर कार्यवाह लखन अग्रवाल, सह नगर कार्यवाह द्वय शैलेष जायसवाल एवं रितेश, शारीरिक प्रमुख अखिलेश यादव, बौद्धिक प्रमुख विमलेश अग्रहरि, व्यवस्था प्रमुख एडवोकेट विनोद यादव, सामाजिक समरसता प्रमुख अर्जुन, समाजसेवी रूपेश यादव, धर्मराज, रवि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वफादारी की मिसाल! मालिक के बेटे के लिए सांप से भिड़ी 'मिनि', चली गई जान

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। आपने कभी देखा या सुना है कि एक फिमेल डॉग सांप से भिड़ गई हो। ज्यादाकर लोगों का जवाब ना में होगा, लेकिन ऐसा हुआ है। ऐसा उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ है। यहां एक पालतू फिमेल डॉग अपने मालिक के बेटे को बचाने के लिए सांप से टकरा गई। हालांकि इस दौरान सांप से उसे डस लिया और उसकी मौत हो गई। सांप बेहद जहरीला था। परिवार वालों ने जहरीले सांप को किसी तरह डंडे के सहारे डिब्बे में बंद किया।

ये पूरी घटना मेरठ में एक किसान के घर में घटी। किसान का नाम अजय कुमार उर्फ कल्लू है। वो कोल्हू का संचालन करते हैं। बताया जा रहा है कि किसान का 23 साल का इकलौता बेटा वंश मंगलवार रात अपने कमरे में सो रहा था। परिवार वाले छत पर सो रहे थे। वंश की देर रात एक बजे जब नींद खुली तो उसने

देखा कि एक सांप उसकी चारपाई पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था। वंश ने सांप से बचने की कोशिश की।

इसी दौरान पालतू अमेरिकन बुली नस्ल की फिमेल डॉग मिनी कमरे में आ गई और भोंकते हुए सांप से भिड़ गई। सांप ने कुतिया को डस लिया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिवार वालों ने सांप को बाहर निकाला। फिर उसे डिब्बे में बंद करके नहर में छोड़ दिया गया। परिवार वालों ने इसका वीडियो भी बनाया। वहीं रेंजर्स को सांप के बारे में जानकारी नहीं मिली।

वफादारी की मिसाल है घटना

हम सभी सभी सुनते और जानते हैं कि कुत्ता सबसे वफादार जानवर होता है। इस घटना ने एक बार फिर इस बात को सही साबित कर दिया, जहां फिमेल डॉग ने अपने मालिक की जान जहरीले सांप से बचाने के लिए अपनी जान दे दी। ये घटना कुत्तों के वफदार होने की एक और बड़ी मिसाल है।

त्योहार बकरीद के दृष्टिगत संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन से निगरानी, सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया' के निर्देशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम' के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आगामी 'बकरीद (ईद-उल-अजहा)' पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु 'पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।' संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू की गई है', ताकि किसी भी अप्रिय घटना की समय रहते रोकथाम हो सके एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना को0 भिनगा अंतर्गत 'ईदगाह तिराहा, दहाना तिराहा' तथा थाना सोनवा के 'नासिरगंज', थाना हरदत्त नगर गिरंट व बदला चौकी सहित अन्य चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर 'विशेष पुलिस बल की तैनाती' की गई है। 'बकरीद के अवसर पर सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी।'

संभल में जमा मस्जिद या हरिहर मंदिर? 1968 के गजेटियर में चौंकाने वाला खुलासा, इतिहासकार ने तस्वीर के साथ दिए सबूत

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के रहने वाले इतिहासकार डॉ अनुपम सिंह ने संभल की शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर मामले पर 1968 की गजेटियर को दिखाते हुए दावा किया। उन्होंने कहा कि पहले इस स्थान पर मंदिर हुआ करता था, जिसे बाद में मस्जिद बना दिया गया था। जो 1968 की अभिलेखों में दर्ज है। हालांकि अभी ये मामला कोर्ट में चल रहा है और विवादित है।

संभल की जमा मस्जिद अक्सर सुर्खियों में रहती है। जमा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है। मस्जिद में मंदिर के निशान मौजूद होने का दवा किया जा रहा है। जब इस मामले को लेकर मुरादाबाद के इतिहास का डॉक्टर अनुपम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि 1968 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद

के जिले का रजिस्टर जो तैयार किया गया था। इस सरकारी गजेटियर में संभल जामा मस्जिद के मुख्य परिषद की तस्वीर के ऊपर स्थित हरिहर मंदिर लिखा गया है। उनका कहना है कि कोर्ट में जो भी फैसला लिया जाएगा। उससे वह पूरी तरीके से सहमत होंगे। लेकिन सच्चाई जानने के लिए इतिहासकारों की मदद और पुरातत्व विभाग की टीम की मदद लेना जरूरी है।

1968 के गजेटियर में क्या है?

उत्तर प्रदेश में 1968 में राष्ट्रपति शासन लगा था। तब मुरादाबाद जिले का एक गजेटियर जारी किया गया था। इस एक गजेटियर आईएएस अधिकारी इशा बसंती जोशी ने तैयार किया था और उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद गवर्नमेंट प्रेस से 1968 में इसे पब्लिश कराया था। उस समय उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ था, जो कांग्रेस के अधीन काम करता था।

गजेटियर की आखिरी कॉपी

डॉ अनुपम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास यह 1968 में प्रकाशित हुई मुरादाबाद जिले के गजेटियर की आखिरी कॉपी है। उन्होंने ये कॉपी इलाहाबाद से ली थी, जिसके आधार पर उन्होंने शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा किया है। हालांकि उन्होंने इस मामले को विवादित भी बताया और साथ ही ये भी कहा कि कोर्ट जो भी फैसला करेगा। वह उससे सहमत होंगे और उसका सम्मान करेंगे।

दूल्हे ने बुक करवाया ऐसा बैंक्वेट हॉल, मच गया बवाल... दुल्हनिया लाने से पहले ही हो गया खून खराबा

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। दूल्हा तैयार था। बाराती भी तैयार थे। बस दुल्हनिया को लाने के लिए सभी खुशी-खुशी बैंक्वेट हॉल से निकल ही रहे थे कि तभी वहां कुछ बदमाश आ धमके। उन्होंने दूल्हा और उसके परिवार के साथ जमकर मारपीट की। दरअसल, वो लोग इस बात से खफा थे कि दूल्हा तो दलित है। तो फिर वो बैंक्वेट हॉल कैसे बुक करवा सकता है? इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो ही हालत गंभीर बनी हुई है।

मामला उत्तर प्रदेश के बलिया का है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रसड़ा कस्बे में स्थित एक बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह के दौरान करीब दो दर्जन लोग लाठी-डंडों से लैस होकर घुस आए और दलित परिवार पर हमला कर दिया। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि हमलावरों ने उन पर जातिसूचक गालियां भी दीं। पीड़ित परिजनों के मुताबिक, हमलावरों ने कहा- तुम

लोग बैंक्वेट हॉल में शादी कैसे कर सकते हो?

मामले में, रसड़ा थाने में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस जांच में जुटी है। परिवार के सदस्य राघवेंद्र गौतम ने बताया- हमें सिर्फ इसलिए पीटा गया क्योंकि हमने बैंक्वेट हॉल में शादी रखी थी। बदमाशों का कहना था कि हम दलितों को इसकी इजाजत नहीं है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पहले भी हुए हैं ऐसे केस

ये कोई पहला मामला नहीं है, उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हाल के महीनों में दलितों पर हमलों की कई घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले ही आगरा जिले में कथित सवर्णों ने एक दलित दूल्हे को घोड़ी से उतार दिया था और उसे व बारातियों को पीटा था। दलित अधिकार कार्यकर्ताओं ने इन बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई और दलित समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्या आप भी कर रहे हैं ज्यादा वर्कआउट? एक्सपर्ट से जान लें इसके नुकसान

वजन कम करने, बॉडी बनाने और फिट रहने के लिए लोग वर्कआउट करते हैं। कई लोग घर पर, तो कई जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं। लेकिन अगर आप ओवर एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आपको फायदे की जगह पर नुकसान भी पहुंच सकता है। एक्सपर्ट से जानें ओवर वर्कआउट करने के नुकसान और इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आज के समय में लोग अपनी सेहत को लेकर सजग होने लगे हैं। फिट रहने के लिए बैलेंस डाइट अपनाते हैं। वहीं कुछ लोग घर पर या फिर जिम जाकर नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं। इससे बॉडी बनाने और वेट लॉस में तो मदद मिलती ही है, लेकिन नियमित रूप से वर्कआउट करना हमारी ओवर ऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इसलिए हमेशा एक्टिव रखने और नियमित रूप से एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।

आजकल युवा तेजी से फिटनेस और बॉडी बनाने की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन कई बार जल्द रिजल्ट पाने की चाह में वह ओवर वर्कआउट करने लगते हैं। कई लोग बॉडी बनाने या फिर वजन कम करने के जुनून में जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करते हैं। लेकिन इससे उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव भी पड़ सकता है। व्यक्ति को फायदे की जगह पर नुकसान भी पहुंच सकता है। इसलिए अगर आप भी ओवर वर्कआउट कर रहे हैं, तो एक्सपर्ट से जाने लें यह आपकी सेहत के लिए किस तरह से नुकसानदायक हो सकता है।

ओवर वर्कआउट करने के नुकसान

दिल्ली के अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन डॉक्टर संचयन रॉय ने बताया कि जब हम जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं, तो शरीर को रिकवर करने के लिए सही समय नहीं मिल पाता, जिससे मांसपेशियों में सूजन, कमजोरी, थकान और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं ओवर वर्कआउट के कारण हार्मोनल इंबैलेंस भी हो सकता है, जिससे नींद न आना, चिड़चिड़ापन और हार्ट रेड असामान्य होने जैसी समस्या हो सकती है। जिन लोगों को पहले से कोई बीमारी है, उनके लिए ओवर वर्कआउट और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

इन बातों का ध्यान रखें

वर्कआउट के दौरान शरीर को ठीक से हाइड्रेट रखना, सही डाइट लेना और नींद पूरी करना बहुत जरूरी है। बिना इन चीजों का ध्यान रखें किया गया वर्कआउट शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। मांसपेशियों को रिपेयर और विकास के लिए पर्याप्त प्रोटीन और आराम की जरूरत होती है, वरना वह कमजोर हो सकती हैं।

अगर किसी को लगातार थकावट बनी रहती है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है या नींद प्रभावित हो रही है, तो यह संकेत हो सकते हैं कि आप ओवर वर्कआउट कर रहे हैं। ऐसे में तुरंत डॉक्टर या फिटनेस ट्रेनर से सलाह लें। साथ ही एक्सपर्ट से बात कर वर्कआउट का सही तरीका और समय निर्धारित करें।

एक सामान्य व्यक्ति के लिए एक दिन में 45 मिनट से 1 घंटे तक का वर्कआउट करना पर्याप्त होता है। अगर कोई एथलीट या प्रोफेशनल बॉडीबिल्डर नहीं है, तो रोजाना 2 से 3 घंटे तक वर्कआउट करने से शरीर को फायदा नहीं बल्कि नुकसान पहुंचा सकता है।

वर्कआउट का मतलब शरीर को फिट और हेल्दी बनाए रखना है। हर किसी की शरीर की जरूरत अलग होती है, इसलिए इंटरनेट या दूसरों को देखकर एक्सरसाइज का तरीका न अपनाएं। धीरे-धीरे अपनी सहनशक्ति को बढ़ाएं और हफ्ते में एक से दो दिन शरीर को पूरी तरह आराम जरूर दें, ताकि आपके शरीर को आराम मिल पाए और आप हेल्दी रहें।

अब दिल्ली में लें मनाली जैसी फील, बहते झरने के आगे बैठकर उठाएं मैगी का लुत्फ

अगर आप शहरी जिंदगी की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक लेना चाहते हैं और कुछ वक्त प्रकृति के बीच बिताना चाहते हैं, तो आपको किसी हिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि अब आप दिल्ली में ही एक दम पहाड़ों वाली फील ले सकते हैं। हम आपको दिल्ली का एक ऐसा छिपा हुआ पार्क बता रहे हैं, जहां आपको मिलेगा झरनें के आगे बैठकर मैगी खाने का मजा ।

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और हर बार पहाड़ों की हवा, झरनों की कल-कल और ठंडी ठंडी वादियों की याद सताती है, तो अब आपको लंबी छुट्टी लेकर मनाली या कसौली जाने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अब दिल्ली में भी एक ऐसी जगह है जहां आप पहाड़ों जैसा सुकून और नेचर से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। यहां आप बहते पानी की आवाज के साथ ठंडी छांव में बैठ सकते हैं, और साथ में मैगी, कॉफी या स्नैक्स का मजा भी ले सकते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं Rock Cafe Sanjay Van की, जो दिल्ली की भीड़भाड़ से हटकर एकदम नेचुरल लोकेशन पर बसा है। यहां का माहौल इतना शांत और खूबसूरत है कि आपको लगेगा जैसे आप किसी हिल स्टेशन पर आ गए हैं। अगर आप वीकेंड पर शांति, स्वाद और सुकून की तलाश में हैं, तो यह जगह आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

रॉक कैफे संजय वन में क्या है खास?

इस कैफे की सबसे खास बात है इसका नेचुरल झरने जैसा सेटअप। छोटे से वॉटरफॉल के पास बैठकर आप मैगी, चाय या कोल्ड कॉफी का मजा ले सकते हैं। आसपास की हरियाली और पानी की आवाज मन को बहुत सुकून देती है। यह जगह पत्थरों और पेड़ों के बीच बसी है, जिससे यह किसी पहाड़ी इलाके का अहसास देती है। गर्मियों में भी यहां की ठंडी हवाएं और हरियाली मन को सुकून देती हैं।

फोटोग्राफी के शौकीन के लिए परफेक्ट प्लेस

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं तो यह जगह आपके लिए एकदम परफेक्ट है। यहां की हर कोना फोटो खींचने लायक है। खासतौर पर बहते पानी के पास बैठकर मैगी की एक तस्वीर, दिल जीत लेगी। यहां आप अपने दोस्तों के साथ पिकनिक का मजा ले सकते हैं या परिवार के साथ एक शांत शाम बिता सकते हैं। बच्चों के लिए भी यह एक नेचर से जुड़ने का शानदार अनुभव हो सकता है।

बजट में मिल जाएगा खाना

बता दें कि, रॉक कैफे में खाने के कई ऑप्शन है जो 90s वाले लोगों को खूब पसंद आ सकते हैं। क्योंकि इस कैफे में आपको आलू पैटी, पनीर पैटी, मैगी, सैंडविट, मोजिटो, लस्सी, कॉफी -चाय जैसे कई ऑप्शन मिल जाएगें। वहीं इनका प्राइज भी आपकी जेब पर भारी नहीं पड़ेगा।

कैसे पहुंचे Rock Cafe Sanjay Van?

यह कैफे दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में संजय वन के पास स्थित है। आप यहां मेट्रो या कैब के जरिए आसानी से पहुंच सकते हैं। नजदीकी मेट्रो स्टेशन है कुतुब मीनार। वहां से ऑटो या कैब लेकर आप सीधे कैफे तक पहुंच सकते हैं।

करीना कपूर का फेवरेट योगासन करने से मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

आजकल बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद पर ध्यान देना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में शरीर कई बीमारियों से घिर जाता है। खुद को फिट रखे के लिए योग आसान सबसे बेहतरीन तरीका बताया जाता है। अगर आप खुद को फिट रखना चाहते हैं तो करीना कपूर का फेवरेट योगासन कर सकते हैं, जो आपकी शरीर को गजब के फायदे देता है।

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में से एक है करीना कपूर खान अपनी एक्टिंग के साथ ही फिटनेस के लिए भी जानी जाती है। दो बच्चों के बाद भी करीना ने अपना फिगर मेंटेन किया हुआ है, जो उनके फैंस को काफी इंस्पायर्ड करता है। करीना ने हाल ही में द नॉर्ड मैगजीन को दिए इंटरव्यू में अपनी फिटनेस का राज भी खोला था। करीना ने बताया था कि वो शाम को 6 बजे तक डिनर कर लेती हैं और 9: 30 बजे तक सो जाती है, जिससे वो सुबह जल्दी उठ सकें।

करीना सिर्फ अपनी डाइट का ही ख्याल नहीं रखती बल्कि वर्कआउट को भी समय देती हैं। करीना ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि योग उनके डेली रूटीन का अहम हिस्सा है। एक्ट्रेस का फेवरेट योगासन चक्रासन है , जिसे वो रोजाना सुबह करना पसंद करती है। तो अगर आप भी एक फिट और हेल्दी बॉडी पाना चाहते हैं तो चक्रासन कर सकते हैं। चले पहले जान लेते हैं कि ये कैसे किया जाता है और इसे करने से शरीर को कौन-कौन से फायदे मिलते हैं।

चक्रासन क्या है?

चक्रासन संस्कृत शब्द चक्र से लिया गया है, जिसका मतलब होता है 'पहिया'। इसे अंग्रेजी में WheelPose भी कहते हैं। इस आसन को करते समय शरीर की शेप एक पहिए जैसी हो जाती है, इसीलिए इसे चक्रासन कहा जाता है। यह एक बैक-बेंडिंग पोज है जिसमें शरीर पूरी तरह से पीछे की ओर झुकता है। चलिए जानते हैं इसे करने से मिलने वाले फायदे कौन से हैं ?

चक्रासन करने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

रीढ़ की हड्डी को बनाता है लचीला और मजबूत- चक्रासन करने से बैक की अच्छी स्ट्रेचिंग होती है, जिससे रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है और पीठदर्द से राहत मिलती है।

पेट की चर्बी घटाने में मददगार- अगर आपको बैली फैट कम करना है तो ये आसन फायदेमंद है। ये पेट की मसल्स पर जोर डालता है, जिससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और पेट की चर्बी कम होने में मदद मिलती है।

चेहरे पर लाता है ग्लो- सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी ये आसन असरदार है। इसे करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है , जिससे स्किन सेल्स को ज्यादा ऑक्सीजन मिलता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

तनाव और थकान को करता है दूर- दिनभर की थकान दूर करने के लिए भी ये आसान फायदेमंद है। इसे करने से दिमाग शांत रहता है और मानसिक तनाव कम होता है। साथ ही ये मूड को बेहतर बनाता है जिससे नींद भी अच्छी आती है।

हॉर्मोनल बैलेंस को सुधारता है- महिलाओं के लिए चक्रासन खासतौर पर फायदेमंद है। इसे करने से हार्मोन बैलेंस रहते हैं, जो पीरियड्स को भी रेगुलर करते हैं । साथ ही एंडोक्राइन सिस्टम को एक्टिव करता है जिससे थायरॉइड, पिट्यूटरी और अन्य ग्रंथियों का संतुलन बेहतर होता है।

चक्रासन करने का सही तरीका ?

चक्रासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं और अपने दोनों घुटनों को मोड़े। फिर हाथों को पीछे ले जाते हुए कंधे के पास जमीन पर रख दें। इस दौरीन उंगलियां पीठ की तरफ रहेंगी। इसके बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे शरीर को ऊपर उठाएं। सिर को पीछे की ओर ढीला छोड़ दें और शरीर को पहिए जैसा आकार दें। कुछ सेकंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर धीरे-धीरे वापस आएं।

ध्यान रखें ये जरूरी बातें

ध्यान रखें कि चक्रासन करते समय शुरुआत में ट्रेनर की निगरानी जरूरी है। जिन लोगों को पीठ, गर्दन या कलाई में कोई चोट हो, वे यह आसन ना करें। प्रेग्नेंसी में इस योगासन से बचना चाहिए। इसे सुबह खाली पेट करना सबसे फायदेमंद रहता है ।

आपके बाद आपके बच्चों का भविष्य बचाएगा माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट

माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इसके जरिए आप न सिर्फ उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज कर सकते हैं, बल्कि उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। सही प्लानिंग और नियमों का पालन करके आप अपने बच्चों को एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य दे सकते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस लेख में जानिए कैसे ट्रस्ट बनाकर आप अपने बच्चों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। माता-पिता बच्चों के लिए धन-दौलत तो खूब जोड़ते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि उनके न रहने पर इस संपत्ति की सुरक्षा कैसे होगी? इसलिए समय रहते Estate Planning करना बहुत जरूरी है। इस प्लानिंग में ट्रस्ट बहुत ही कारगर साबित होता है। NEXGEN Estate Planning Solutions के फाउंडर डायरेक्टर डॉ. दीपक जैन के मुताबिक माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इसके जरिए आप न सिर्फ उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज कर सकते हैं, बल्कि उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। सही प्लानिंग और नियमों का पालन करके आप अपने बच्चों को एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य दे सकते हैं।

माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बच्चों के नाम संपत्ति या पैसा ट्रस्ट के माध्यम से सुरक्षित रखा जाता है। चूंकि बच्चे नाबालिग होते हैं, वे अपने पैसों को मैनेज नहीं कर सकते। ऐसे में ट्रस्ट उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज करता है और उनकी जरूरतों के अनुसार उन्हें फंड जारी करता है।

ट्रस्ट और विल में क्या अंतर है?

विल में एक बार पैसा ट्रांसफर हो जाने के बाद उस पर आपका कोई कंट्रोल नहीं रहता। लेकिन ट्रस्ट में आप शर्तें लगा सकते हैं कि बच्चे को कब, कितना और किस उद्देश्य से पैसा मिलेगा। उदाहरण के लिए, आप यह तय कर सकते हैं कि बच्चे को 18 साल की उम्र में एजुकेशन के लिए एक निश्चित राशि मिलेगी और 25 साल की उम्र में शादी के लिए एक अलग राशि।

ट्रस्टी और गार्जियन की भूमिका

ट्रस्टी वह व्यक्ति होता है जो ट्रस्ट को मैनेज करता है। शुरुआत में माता-पिता ट्रस्टी हो सकते हैं, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद कोई अन्य विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील या परिवार का कोई सदस्य) इसकी जिम्मेदारी संभाल सकता है.

गार्जियन बच्चे की देखभाल करता है और उसके खर्चों को मैनेज करता है। जब तक बच्चा नाबालिग है, ट्रस्टी गार्जियन को ही पैसा जारी करेगा।

पैसों का मैनेजमेंट कैसे करें?

बच्चे की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पैसों का आवंटन करना चाहिए। उदाहरण के लिए:

शिक्षा: आप गोल्ड की कीमत के आधार पर एक निश्चित राशि तय कर सकते हैं, जो इन्फ्लेशन के साथ एडजस्ट होती रहे।

शादी: एक फिक्स्ड अमाउंट या परसेंटेज तय कर सकते हैं, ताकि बच्चे को जरूरत पड़ने पर पैसा मिल सके।

क्या बाहरी व्यक्ति को ट्रस्टी बनाया जा सकता है?

हां, आप किसी भी विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे दोस्त, चार्टर्ड अकाउंटेंट या फाइनेंसियल एडवाइजर) को ट्रस्टी बना सकते हैं। यहां तक कि आप एक ऑडिटर भी नियुक्त कर सकते हैं जो यह सुनिश्चित करे कि ट्रस्टी नियमों का पालन कर रहा है।

किन गलतियों से बचें?

अनुमानित खर्चों को नजरअंदाज न करें: बच्चे के खर्चों का सही अंदाजा लगाएं, न तो बहुत कम राशि तय करें और न ही जरूरत से ज्यादा।

बैकअप ट्रस्टी जरूर रखें: हमेशा एक से अधिक ट्रस्टी नियुक्त करें ताकि आपात स्थिति में कोई जिम्मेदारी संभाल सके।

बच्चे को उम्र के साथ फ्रीडम दें: जैसे-जैसे बच्चा बड़ा हो, उसे धीरे-धीरे फाइनेंशियल फ्रीडम देनी चाहिए।

पर्सनल फाइनेंस, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, कमोडिटी, रियल एस्टेट और मंडी से जुड़ी ताजा खबरें पढ़ने के लिए www.thebonus.in पर आएं।

अदाणी पोर्ट्स ने मई में कार्गो हैंडलिंग का नया रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मई का महीना देश के लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए ऐतिहासिक रहा है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने वैश्विक मानकों पर देश की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए 4.18 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग का नया बेंचमार्क स्थापित किया, जो कंपनी के लिए सर्वकालिक रिकॉर्ड है। पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है – यह देश में तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक ढांचे और बुनियादी ढांचे के विकास की मजबूत नींव का प्रमाण है।

अदाणी पोर्ट्स के शानदार प्रदर्शन के मुख्य चालक कंटेनर ट्रैफिक (साल-दर-साल आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि) और ड्राई कार्गो (साल-दर-साल 17 प्रतिशत की वृद्धि) थे। वैश्विक बंदरगाह कंपनियां जब मंदी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जूझ रही हैं, एपीएसईजेड ने न केवल स्थिरता बनाए रखी है, बल्कि तेजी से विस्तार भी किया है।

कंपनी ने इस साल मई तक कुल 7.93 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग की है, जो साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कंटेनर हैंडलिंग में 21 प्रतिशत की वृद्धि एपीएसईजेड की परिचालन दक्षता और तकनीकी उन्नयन को उजागर करती है।

मई में अदाणी लॉजिस्टिक्स ने 0.6 लाख टीईयू रेल वॉल्यूम (साल-दर-साल 13 प्रतिशत की वृद्धि) और 20.1 लाख टन जी पी डब्ल्यू आई ए स (जेनरल पर्पस वैगन इंवेस्टमेंट स्कीम) वॉल्यूम (साल-दर-साल चार प्रतिशत की वृद्धि) दर्ज किया।

इस साल अब तक रेल वॉल्यूम 1.2 लाख टीईयू (साल-दर-साल आधार पर 15 प्रतिशत की वृद्धि) और जीपीडब्ल्यूआईएस वॉल्यूम 38 लाख टन रहा। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर कंपनी का रणनीतिक फोकस ठोस परिणाम दिखाने लगा है।

देश के अन्य प्रमुख बंदरगाहों जैसे कि जेएनपीटी और पारादीप पोर्ट – ने मई में क्रमशः लगभग सात प्रतिशत और नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं, एपीएसईजेड ने 17 प्रतिशत की छलांग के साथ बढ़त हासिल की, जो प्रतिस्पर्धा पर अपनी बढ़त का संकेत देता है।

अदाणी पोर्ट्स न केवल देश का सबसे बड़ा निजी बंदरगाह संचालक है; यह देश की वैश्विक व्यापार रणनीति का एक स्तंभ भी बन रहा है। एपीएसईजेड की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। मल्टीमॉडल हब, स्मार्ट पोर्ट, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कंपनी लॉजिस्टिक्स के भविष्य को आकार दे रही है।

मई के आंकड़े देश के लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में हो रहे बदलावों की झलक दिखाते हैं। अदाणी पोर्ट्स ने यह साबित कर दिया है कि जब रणनीति, निवेश और इनोवेशन एक साथ काम करते हैं, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकता है।

घरेलू यात्रियों में वृद्धि से भारत का टूरिज्म सेक्टर 2035 तक 42 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 2035 तक बढ़कर 42 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि देश को प्रतिस्पर्धी बने रहने और इस सेक्टर की विकास की गति को बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेस्टिनेशन मार्केटिंग में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा देश में किया जाने वाला खर्च प्री-कोविड स्तर को पीछे छोड़ते हुए ऑल-टाइम हाई 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान घरेलू यात्रियों ने करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो कि 2019 के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूटीटीसी की ओर से बताया गया कि भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में 2035 तक नौकरियों की संख्या बढ़कर 6.4

करोड़ तक पहुंच जाएगी, जो कि फिलहाल 4.65 करोड़ पर है।

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि ग्लोबल इकोनॉमी में 10 प्रतिशत योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है और मुझे यकीन है कि ग्लोबल पैरामीटर के तहत 2030 तक हमारा पर्यटन क्षेत्र भी देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देगा। हम इस विजन पर तेजी से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत के टूरिज्म सेक्टर को प्रमोट करने और वैश्विक स्तर पर देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्रिएशन पहली जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़कें, एक्सप्रेसवे और डेढ़ लाख किलोमीटर के हाइवे बने, नया मॉडर्न रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हुआ। नए एयरपोर्ट्स बने।

उन्होंने आगे कहा, हालांकि, अभी भी बहुत से काम किए जाने बाकी हैं। फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। भविष्य में 3,000 एयरक्राफ्ट्स आने वाले हैं। एयरक्राफ्ट्स की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदल रहा है।

जेलेंस्की पर जंग का सबसे बड़ा हमला करने जा रहे पुतिन, यूक्रेन ने खुद ही कर दिया खुलासा

यूक्रेन, एजेंसी। यूक्रेन पर रूस का हमला अब और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। यूक्रेनी मिलिट्री इंटेलिजेंस के एक सूत्र ने बताया है कि रूस अब हर रात 500 से ज्यादा लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन यूक्रेन की ओर भेजने की तैयारी में है। इसके लिए रूस तेजी से प्रोडक्शन बढ़ा रहा है और नए लॉन्च साइट्स तैयार कर रहा है।

यूक्रेन के मुताबिक, रूस अब हर दिन करीब 70 'गेरान' नाम के ड्रोन बना रहा है। पिछले साल तक ये आंकड़ा सिर्फ 21 ड्रोन प्रतिदिन था। यानी रूस ने एक साल में अपनी ड्रोन फैक्ट्री की रफ्तार तीन गुना कर दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मंशा है कि रोजाना 500 तरह-तरह के लंबी दूरी वाले ड्रोन तैयार किए जाएं। ये सभी ड्रोन यूक्रेन के शहरों

और इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना सकते हैं।

15 नए लॉन्च साइट, 500 ड्रोन एक साथ उड़ेंगे!

अब तक रूस के पास यूक्रेन पर हमले के लिए सिर्फ पांच लॉन्च साइट थीं कुर्स्क, क्रास्नोदार के दो बंदरगाह शहर, और क्रीमिया के दो कब्जे वाले इलाके Cape Fiolent और Cape Chauda। लेकिन अब 12-15 नई लॉन्च साइट्स बन रही हैं, जिनमें से ज्यादातर लगभग तैयार हो चुकी हैं। इनमें से सिर्फ तीन अभी निर्माणाधीन हैं। 1 जून की रात रूस ने रिकॉर्ड 472 ड्रोन एक साथ यूक्रेन पर छोड़े थे। सूत्रों का कहना है कि नई लॉन्च साइट्स के बनते ही यह संख्या 500 को पार कर जाएगी।

रूस में ड्रोन की तीन बड़ी किस्में

रूस तीन तरह के मुख्य दीप-स्ट्राइक ड्रोन इस्तेमाल करता है- ईरान से आयातित Shahed, Shahed की कॉपी और रूस में बनी Geran और चीनी पुर्जों से बनी नई किस्म Garpiya-A1। इनके अलावा रूस Gerber नाम के नकली या डमी ड्रोन भी भेजता है, जो देखने में असली जैसे लगते हैं लेकिन इनमें विस्फोटक नहीं होते। यूक्रेनी डिफेंस यूनिट्स के मुताबिक, हर अटैक में करीब आधे ड्रोन सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए भेजे जाते हैं।

यूक्रेन के लिए बढ़ता सिरदर्द

पिछले छह महीनों में रूस के ड्रोन हमलों की ताकत और पहुंच दोनों बढ़ी है। अब इनमें जेट इंजन लगाए जा रहे हैं जिससे ये ज्यादा ऊंचाई और स्पीड पर उड़ सकते हैं, साथ ही भारी बम भी ले जा सकते हैं। रूस सिर्फ लंबी दूरी वाले ड्रोन ही नहीं बना रहा, बल्कि FPV (First Person View) ड्रोन का उत्पादन भी तेज़ी से बढ़ा रहा है। अभी रूस हर साल 1।5 मिलियन FPV ड्रोन बनाता है और इसे बढ़ाकर 1।8 से 2 मिलियन तक ले जाना चाहता है। वहीं, यूक्रेन ने 2025 में 4।5 मिलियन FPV ड्रोन बनाने का लक्ष्य रखा है।

उधर लंदन गए नवाज शरीफ, इधर जेल से ही इमरान खान ने कर दिया बड़ा खेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। खबर है कि नवाज शरीफ के बेहद करीबी माने जाने वाले और सिंध के पूर्व गवर्नर जुबैर उमर अब इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) का दामन थामने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि जेल में बंद इमरान खान से जुबैर उमर की बातचीत पूरी हो चुकी है और पार्टी में शामिल होने के लिए हरी झंडी भी मिल चुकी है।

ये खबर ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले ही नवाज शरीफ इलाज के सिलसिले में लंदन गए हैं। हालांकि इस यात्रा का समय सवाल खड़े कर रहा है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले एक वीडियो सामने आया था, जिसमें इमरान खान का बेटा लंदन की सड़कों पर नजर आया। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई थी, जिसमें यह दावा किया गया था कि इमरान खान के परिवार की गतिविधियां लंदन से किसी सियासी दबाव का संकेत हो सकती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, PTI की सीनियर लीडरशिप ने भी इस डेवलपमेंट को कन्फर्म कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी हलकों में चर्चा है कि जुबैर उमर को पार्टी की पॉलिटिकल कमेटी के सामने पेश किया जाएगा, जिसके बाद उनकी औपचारिक एंट्री का ऐलान किया जा सकता है।

जुबैर उमर, जो कभी नवाज शरीफ के प्रवक्ता और करीबी सिपहसालार थे, उनका PTI में जाना न सिर्फ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के लिए झटका है, बल्कि यह बताता है कि इमरान खान भले जेल में हों, लेकिन सियासत की बिसात पर चालें अब भी चल रहे हैं।

चुनावी नतीजों पर भी मचा घमासान

इस पूरे घटनाक्रम के बीच, PTI ने पंजाब की समब्रियल सीट पर हुए उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि चुनाव में जमकर धांधली हुई है और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करके PTI के वोटरों को वोट डालने से रोका गया।

यह साफ है कि इमरान खान भले जेल में हैं, लेकिन उनकी रणनीति और पकड़ आज भी कायम है। अब देखना ये होगा कि जुबैर उमर की PTI में एंट्री से नवाज खेमे को कितना नुकसान होता है और पाकिस्तानी सियासत में आगे क्या नया मोड़ आता है।

कैदी तो भागा ही, कराची का जेलर भी पाकिस्तान से हो गया फरार

कराची। कराची में मंगलवार को आए भूकंप के बाद कराची की मलीर जेल की दीवारों में दरारों का फायदा उठाकर भागे कैदियों की घटना के बाद ARY न्यूज की रिपोर्ट में नया खुलासा हुआ है। सिंध के जेल मंत्री अली हसन जरदारी ने जेल प्रणाली के अंदर कैदियों के साथ मिलीभगत के गंभीर खुलासे के बाद मलीर जेल के हेड कांस्टेबल राशिद चिंगारी को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ सिंध के मुख्यमंत्री सय्यद मुराद अली शाह ने भी जांच के आदेश दिए हैं।

कैदियों को भागने में मदद करने में कथित तौर पर शामिल राशिद चिंगारी कल देर रात फरार हो गया है और वह मिल नहीं रहा है। उसकी गिरफ्तारी का आदेश मंत्री ने मेडिकल चेक-अप करा देश लौटने के बाद दिया है। जेल अधिकारियों के खिलाफ

जांच के आदेश से हड़कंप मच गया है और इसमें मीलर जेल के कई अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

पहले नहीं था राशिद का नाम शामिल

कैदियों के भागने के बाद 23 जेल अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, इसमें राशिद चिंगारी का नाम शामिल नहीं था। लेकिन जांच के दौरान उनका नाम सामने आया है। ARY ने विश्वसनीय सूत्रों से पुष्टि की कि DIG जेल को अब चिंगारी को निलंबित करने और उसके कार्यों की पूरी जांच शुरू करने का निर्देश दिए गए हैं।

कैदियों और जेल अधिकारियों का नेटवर्क

ARY न्यूज ने हाल ही में कैदियों और चुनिंदा जेल अधिकारियों के बीच नेटवर्क को उजागर किया, जिससे यह मुद्दा लोगों के ध्यान में आया है। रिपोर्ट के बाद जेल मंत्रालय ने तेजी से कार्रवाई की और ऐसी किसी भी नेटवर्क को खत्म करने के अभियान छेड़ दिया है। खबरों के मुताबिक ऐसे नेटवर्क ने कथित तौर पर कई कैदियों के भागने में मदद की थी।

नए बाबा वेंगा की भविष्यवाणी से हिल गई इस देश की सरकार, लोगों के सामने होना पड़ा नतमस्तक

वॉशिंगटन, एजेंसी। जापान के कलाकार रियो तात्सुकी को न्यू बाबा वेंगा के नाम से जाता है। उन्होंने अपने देश को लेकर ऐसी भविष्यवाणी की जिससे लोगों में खौफ पैदा हो गया और वे यात्रा की बुकिंग रद्द कर रहे हैं। लोगों के डर को देखते हुए सरकार को अपील जारी करनी पड़ी है।

दरअसल, न्यू बाबा वेंगा ने जुलाई 2025 में जापान में एक बड़ी सुनामी आने की भविष्यवाणी की है, जिससे यात्रा रद्द होने की स्थिति पैदा हो गई है। गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, जापान में 5 जुलाई, 2025 को एक विनाशकारी आपदा की भविष्यवाणी की गई है। कुछ लोगों ने इसे जापान और फिलीपींस के बीच समुद्र के नीचे विभाजन के कारण होने वाली सुनामी या भूकंप के रूप में देखा। हालांकि न्यू बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों में वैज्ञानिक आधार का अभाव है, फिर भी उन्हें विश्वसनीयता प्राप्त हो चुकी है, क्योंकि उन्होंने 2011 में जापान में आए तोहोकू भूकंप और सुनामी के बारे में सटीक भविष्यवाणी की थी।

लोग रद्द कर रहे बुकिंग

न्यू बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के कारण जापान के लिए फ्लाइट बुकिंग में 83% की गिरावट आई है। पूर्वी एशिया के पर्यटकों ने आपदा के डर से यात्राएं रद्द कर दी हैं। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के अनुसार, हांगकांग से औसत बुकिंग साल-दर-साल 50% कम हुई है, जून के अंत और जुलाई की शुरुआत के बीच बुकिंग में 83% तक की गिरावट आई है। हांगकांग की एक ट्रैवल एजेंसी ने बताया कि अप्रैल-मई के अवकाश के दौरान जापान के लिए बुकिंग में 50% की गिरावट आई है। कई यात्रियों ने भयावह पूर्वानुमान के कारण बुकिंग रद्द कर दी है या यात्राएं स्थगित कर दी हैं। जापानी अधिकारियों ने लोगों से भविष्यवाणियों को नजरअंदाज़ करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि वह पूरी तरह से निराधार हैं और उनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। मियागी प्रान्त के गवर्नर योशीहिरो मुराई ने कहा कि अगर सोशल मीडिया पर अफवाहों के फैलने से पर्यटन प्रभावित होता है तो यह एक बड़ी समस्या होगी। चिंता करने की कोई बात नहीं है, क्योंकि जापानी विदेश नहीं भाग रहे हैं मुझे उम्मीद है कि लोग अफवाहों को नज़रअंदाज करेंगे और यात्रा करेंगे।

सरकार ने क्या चेतावनी दी?

हालांकि, जापानी अधिकारी तात्सुकी की भविष्यवाणियों से अलग भूकंप के खतरों को लेकर चिंतित हैं। एक सरकारी टास्क फोर्स ने अप्रैल में चेतावनी दी थी कि जापान के प्रशांत तट पर एक बड़े भूकंप के कारण 298,000 लोगों की मौत हो सकती है। प्रशांत महासागर के फायर रिंग पर जापान का स्थान होने के कारण यह भूकंप के प्रति संवेदनशील है, लेकिन विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि वर्तमान वैज्ञानिक समझ के आधार पर भूकंप के समय और स्थान का सटीक पूर्वानुमान लगाना असंभव है।

सच साबित हुई है न्यू बाबा वेंगा की ये भविष्यवाणियां

1995 कोबे भूकंप: न्यू बाबा वेंगा ने इस विनाशकारी भूकंप की भविष्यवाणी की, जिससे वास्तविक दुनिया की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

बंगलूरू भगदड़ पर भाजपा ने कांग्रेस से पूछे तीखे सवाल, अल्लू अर्जुन विवाद का भी किया जिक्र

बंगलूरू, एजेंसी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न तब फीका पड़ गया, जब बंगलूरू में भगदड़ के दौरान 11 लोगों की जान चली गई। आरसीबी ने पहली बार खिताब जीता तो बंगलूरू में ट्रॉफी का जश्न मनाने लाखों प्रशंसक जमा हुए। हालांकि, चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मची और फैंस की जान चली गई। हादसे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया।

संबित पात्रा ने कहा, 'बीसीसीआई अध्यक्ष और आईपीएल चेयरमैन ने कहा कि उन्हें समारोह की जानकारी नहीं थी। विजय जुलूस पहले भी निकाले गए हैं, लेकिन विजय जुलूस हमेशा कम से कम 2 दिन बाद निकाले जाते थे। भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था करने के लिए इस समय अंतराल की आवश्यकता है। सीएम और डिप्टी सीएम ने टीम को विजय जुलूस के लिए मजबूर किया और ये सभी व्यवस्थाएं सिर्फ 12 घंटे में की गईं, और इसका नतीजा 11 लोगों की मौत थी। जब अल्लू अर्जुन की फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मची, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस सरकार ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए। अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के उसी सिद्धांत पर क्या डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया को भी गिरफ्तार किया जाएगा?'

संबित पात्रा ने कहा कि क्या सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे? एक वीडियो था, जिसमें डीके शिवकुमार को एक व्यक्ति की गर्दन से धक्का देते हुए देखा जा सकता है, जब वह व्यक्ति उनके और कैमरे के बीच आ गया। महत्व भीड़ प्रबंधन का नहीं था, महत्व उनका पीआर स्टंट था। क्या डीके शिवकुमार माफी मांगेंगे और इस्तीफा देंगे? इस पूरे आयोजन को किसने अधिकृत किया? मौतों के बावजूद कार्यक्रम को जारी रखने के लिए किसने अधिकृत किया। यह राज्य सरकार की विफलता है। उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी कहां हैं? वे कहां छिपे हैं? क्या वे सवाल करेंगे? क्या सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को इस्तीफा देने के लिए कहेंगे?

'यह स्पष्ट होना चाहिए कि उपमुख्यमंत्री ने इसका आयोजन किया या मुख्यमंत्री ने'

इस बीच कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि भगदड़ की जिम्मेदारी कौन लेगा? अगर राज्य सरकार ने सही तरीके से प्रबंधन किया होता तो यह त्रासदी टाली जा सकती थी। अहमदाबाद में हुए फाइनल मैच में डेढ़ लाख लोग जुटे थे और वहां ऐसी कोई त्रासदी नहीं हुई। राज्य सरकार ने इतनी जल्दबाजी में कार्यक्रम क्यों आयोजित किया? कल बिना उचित तैयारी के कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति क्यों दी गई?

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने रचाई शादी, 15 साल बड़े पिनाकी मिश्रा को बनाया जीवनसाथी

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने खुद से 15 साल बड़े बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, कृष्णानगर से दो बार की लोकसभा सांसद ने ओडिशा के पुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अनुभवी सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी की है। सोशल मीडिया पर वायरल एक तस्वीर में महुआ मोइत्रा पारंपरिक पोशाक और सोने के आभूषणों से सजी हुई दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने 3 मई को विदेश में शादी की।

कौन हैं महुआ मोइत्रा?

12 अक्तूबर, 1974 को असम में जन्मी महुआ मोइत्रा ने एक निवेश बैंकर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। बाद में 2010 में महुआ ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने 2019 में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतीं। महुआ 2024 में फिर से चुनी गईं।

कौन हैं पिनाकी मिश्रा?

पिनाकी मिश्रा का जन्म 23 अक्तूबर, 1959 को ओडिशा के पुरी में हुआ था। वह एक अनुभवी राजनीतिज्ञ और वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) और दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की डिग्री भी प्राप्त की है। पिनाकी ने 1996 में पुरी लोकसभा सीट जीतकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक करियर शुरू किया। बाद में वे नवीन पटनायक की बीजू जनता दल में शामिल हो गए और 2009, 2014 और 2019 में जीत हासिल की।

गोवा में रह रहे पाकिस्तानी ने सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, वीजा प्रतिबंध पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2016 से गोवा में दीर्घकालिक वीजा पर रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक ने केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में पाकिस्तानी नागरिक ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने संबंधी केंद्र सरकार की अधिसूचना के खिलाफ अपील की है। बीती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बढ़ गया था और केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए थे।

याचिकाकर्ता ने दी ये दलील

सरकार द्वारा वीजा रद्द करने की अधिसूचना दिए जाने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासन के लिए एक तय समयसीमा दी गई थी। पाकिस्तानी नागरिक के वकील ने गुरुवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए रखा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसके दीर्घकालिक वीजा में एक विशेष शर्त है। याचिकाकर्ता ने बताया कि वह भारत में पैदा हुआ है। इसके बाद अदालत ने ये भी पूछा कि उन्होंने उच्च न्यायालय में याचिका क्यों नहीं दायर की। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस याचिकाकर्ता के पास आई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

दीपिका से लेकर अभिषेक तक, बदलती रही 'हाउसफुल' की स्टारकास्ट, इस बार होंगे आधा दर्जन सुपरस्टार

बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' की पांचवीं फिल्म 'हाउसफुल 5' अपनी रिलीज को तैयार है। फिल्म कल यानी 6 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आ रही है, जिसमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन समेत कुल 18 ए लिस्ट स्टार्स नजर आने वाले हैं। 'हाउसफुल' बॉलीवुड की इकलौती फ्रेंचाइजी है, जिसके 5 पार्ट रिलीज हो रहे हैं। हाउसफुल की हर फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आई है और इस बार तो ये संख्या 18 पहुंच गई। जानते हैं 2010 में शुरू हुई इस फ्रेंचाइजी का पिछले 15 सालों का कैसा रहा सफर और 'हाउसफुल' से 'हाउसफुल 5' तक फिल्म की स्टारकास्ट में आया कितना बदलाव।

अक्षय कुमार-रितेश देशमुख ने की शुरुआत

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। इस साल आई फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'हाउसफुल' में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, दीपिका पादुकोण, लारा दत्ता, अर्जुन रामपाल, बोमन ईरानी, जीया खान और चंकी पांडे प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 75 करोड़ का बिजनेस किया था और सफल रही थी। फिल्म की कॉमेडी लोगों को काफी पसंद आई थी।

हाउसफुल 2 में बदल गई स्टारकास्ट

पहली फिल्म के दो साल बाद 2012 में हाउसफुल की अगली कड़ी 'हाउसफुल 2' आई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख को

छोड़कर मेन कास्ट पूरी तरह से बदली नजर आई। फिल्म की प्रमुख कास्ट में अक्षय-रितेश के अलावा जैकलीन फर्नांडीज, जॉन अब्राहम, श्रेयस तलपड़े, असिन, जरीन खान, शाजान पदमसी, मिथुन चक्रवर्ती, ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, बोमन ईरानी और चंकी पांडे प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। लगभग 72 करोड़ के बजट में बनी साजिद खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने भारत में 112 करोड़ का कारोबार किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी।

हाउसफुल 3 में कम हो गई स्टार्स की संख्या

फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म के चार साल बाद साल 2016 में 'हाउसफुल 3' रिलीज हुई। इस फिल्म में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख तो बने रहे, लेकिन बाकी कास्ट एक बार फिर बदल गई। 'हाउसफुल 3' इस फ्रेंचाइजी की सबसे कम स्टारकास्ट वाली फिल्म है। फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख के साथ अभिषेक बच्चन की एंट्री हुई थी। इन तीनों के अलावा जैकलीन फर्नांडीज, लीजा हेडन और नरगिस फाकरी, जैकी श्रॉफ और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्मों की तरह ये तीसरी फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इसका निर्देशन साजिद खान ने फरहाद सामजी के साथ मिलकर किया था।

हाउसफुल 4 में बढ़ गई एक्टर्स की संख्या

2019 में आई फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म में एक बार फिर एक्टर्स की संख्या बढ़ गई। फिल्म से अभिषेक बच्चन की छुट्टी हो गई और बॉबी देओल की एंट्री हो गई। जबकि फीमेल कास्ट पूरी ही बदल गई। 'हाउसफुल 4' में कृति सेनन, पूजा हेगड़े और कृति खरबंदा फीमेल लीड में नजर आई थीं। पुनर्जन्म का एंगल लिए फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। लगभग 175 करोड़ के भारी बजट में बनी फिल्म ने भारत में 210 करोड़ के करीब कमाई की थी।

अब हाउसफुल 5 में लगा स्टार्स का जमावड़ा

अब फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म में स्टार्स का जमावड़ा लगा है। फिल्म में 2-4 नहीं बल्कि 18 ए लिस्ट कलाकार नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख जहां फ्रेंचाइजी के पर्मानेंट सदस्य के रूप में बने हुए हैं। तो वहीं अभिषेक बच्चन और श्रेयस तलपड़े की फ्रेंचाइजी में वापसी हुई है। इस फिल्म की बाकी कास्ट में जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाकरी, चित्रांगदा सिंह, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, सोनम बाजवा, फरदीन खान, डिनो मोरिया, चंकी पांडे और जॉनी लीवर नजर आएंगे। ये फिल्म इस फ्रेंचाइजी की सबसे बड़ी स्टारकास्ट वाली फिल्म है। यही नहीं अगर इसे बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टारकास्ट वाली फिल्म कहा जाए तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगा।

बेंगलुरु हादसे के बाद मुंबई लौटे विराट-अनुष्का, नाराज यूजर बोले- इनको कोई फर्क नहीं पड़ता

बेंगलुरु में हुए हादसे के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा मुंबई लौट आए हैं। उनका वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर लोग विराट कोहली को खरी-खोटी सुना रहे हैं।

क्रिकेटर विराट कोहली ने आईपीएल की अपनी पहली ट्रॉफी जीती है। हर तरफ उनके चर्चे हो रहे हैं। विराट कोहली ने जब आईपीएल ट्रॉफी जीती तो वह भावुक हुए। उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने उन्हें गले लगाया। इन सभी लम्हों के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए हैं। अब ट्रॉफी जीतने के बाद विराट और अनुष्का मुंबई लौट आए हैं। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए विराट-अनुष्का

आईपीएल 2025 की ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि विराट कोहली ने सफेद शर्ट और नीली जींस पहनी है। उन्होंने सर पर कैप लगाई है और सनग्लास पहना है। इसी के साथ विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा ने काली टी-शर्ट और नीली जींस पहनी है। उन्होंने भी सनग्लास पहना है।

विराट कोहली पर नाराज हो रहे फैंस

विराट और अनुष्का के मुंबई आने पर उनके फैंस काफी गुस्से में हैं। वह विराट कोहली पर नाराज हो रहे हैं। दरअसल 4 जून को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडिय में क्रिकेट टीम आरसीबी के जीत के जश्न कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। भगदड़ में लगभग 11 लोगों की मौत हो गई है। चूंकि विराट कोहली आरसीबी टीम का हिस्सा थे इसलिए यूजर्स उन पर नाराज हो रहे हैं।

यूजर बोले इनको फर्क नहीं पड़ता

एक यूजर ने लिखा है 'पता नहीं क्यों लोग क्रिकेटर्स और एक्टर्स को इतनी अहमियत देते हैं। ये लोग आम इंसान की तरह हैं।' एक और यूजर ने लिखा है 'अभी भी इयरफोन में म्यूजिक सुन रहे हैं।' एक और यूजर ने लिखा है 'अस्पताल में जाना चाहिए था।' एक और यूजर ने लिखा है 'इनकी वजह से 13 लोगों की मौत हो गई।' एक और यूजर ने लिखा क्रिकेट के लिए 4 जून काला दिन। इनको कोई फर्क नहीं पड़ता। दोनों स्टेडियम में बैठ के हंस रहे थे।

क्या है पूरा मामला?

आपको बता दें कि मंगलवार को खेले गए आईपीएल के फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती है। इसके बाद 4 जून को आरसीबी टीम प्रबंधन ने एक्स पर बताया कि बेंगलुरू में शाम 5 बजे एक विजयी जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में सेलिब्रेशन होगा। इस खबर के बाद स्टेडियम के पास हजारों की तादाद में लोग जमा हो गए। इसके बाद भगदड़ मच गई। भगदड़ में 11 लोगों के मारे जाने की खबर है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com